दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 23 अप्रैल 2026
वर्षः 13 अंक : 125 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

दिल्ली पर कथित मिसाइल हमले की कोशिश नाकाम, एयर डिफेंस सिस्टम ने किया इंटरसेप्ट – रिपोर्ट

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के एक वर्ष बाद सामने आई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि भारत की राजधानी पर संभावित मिसाइल हमले को भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने विफल कर दिया था। हालांकि, इस तरह के दावों की आधिकारिक पुष्टि सीमित है और कई जानकारियां खुलासों व रिपोर्ट्स पर आधारित बताई जा रही हैं। बताया जाता है कि पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर समेत कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, मई 2025 में इस तनाव के चरम पर पहुंचने के दौरान पाकिस्तान की ओर से राजधानी नई दिल्ली को निशाना बनाते हुए एक बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की आशंका जताई गई। इसे शाहीन मिसाइल या फतह–प्प मिसाइल माना गया। भारतीय सेना ने 10 मई 2025 को जानकारी दी थी कि इस हमले की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया। बाद की रिपोर्ट्स में कहा गया कि हरियाणा के सिरसा क्षेत्र में तैनात यूनिट ने मिसाइल को इंटरसेप्ट किया। इस दौरान ठंतं–8 मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है। ठंतं–8 एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली उन्नत मिसाइल प्रणाली है, जिसे भारत और इजराइल ने मिलकर बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइल,

विकसित किया है। इसकी मारक क्षमता लगभग 70 से 100 किलोमीटर तक मानी जाती है। यह प्रणाली लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन जैसे हवाई खतरों को एक साथ निशाना बनाने में सक्षम है। इसमें अत्याधुनिक रडार, त्थ सेंसर और टू–वे डेटा लिंक तकनीक शामिल है, जो हर मौसम में 360 डिग्री सुरक्षा प्रदान करती है। इसकी गति लगभग डंबी 2 तक होती है और इसमें 60 किलोग्राम का वारहेड लगाया जाता है, जो लक्ष्य के निकट पहुंचकर विस्फोट करता है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर आधिकारिक स्तर पर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, इसलिए इसे लेकर सतर्कता के साथ ही आकलन किया जा रहा है।

नेपाल बॉर्डर पर सख्ती बढ़ी, बिना बिल सामान ले जाना पड़ेगा महंगा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल के खुले बॉर्डर पर अब पहले जैसी ढील नहीं रही। नेपाल सरकार ने सीमा पर सख्ती बढ़ा दी है, जिससे सीमावर्ती इलाकों में व्यापारियों और आम लोगों के बीच चिंता का माहौल है। बताया जा रहा है कि बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में प्रशासन ने सीमा चौकियों पर जांच प्रक्रिया को कड़ा कर दिया है। अब 100 नेपाली रुपये (छच्) से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य रूप से वसूली जा रही है। यह नियम पहले से मौजूद था, लेकिन अब इसे सख्ती से लागू किया जा रहा है। सीमा पर ।तउमक च्वसपबम थ्वतबम (।च्थ्) की तैनाती कर दी गई है, जो हर व्यक्ति और सामान की जांच कर रही है। अब छोटे से छोटा सामान ले जाने के लिए भी पक्का बिल (इनवॉइस) दिखाना जरूरी हो गया है। इस सख्ती का असर सोनौली बॉर्डर, रक्सौल और रुपईडीहा जैसे सीमावर्ती बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है। नेपाल के ग्राहक, जो रोजमर्रा का सामान खरीदने भारत आते थे, अब सीमित खरीदारी कर रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार, बिक्री में 30–40: तक गिरावट देखी जा रही है। वहीं, सख्त जांच के कारण मालवाहक वाहनों को बॉर्डर पार करने में अधिक समय लग रहा है। नेपाल सरकार का कहना है कि यह कदम अवैध व्यापार पर रोक लगाने और देश के राजस्व को बढ़ाने के लिए उठाया गया है। हालांकि, भारत–नेपाल के पारंपरिक खुले बॉर्डर सिस्टम के लिए यह एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

भीषण गर्मी का कहर, कई राज्यों में लू तो कहीं आंधी–बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में मौसम इन दिनों दोहरे तेवर

दिखा रहा है। एक तरफ उत्तर और मध्य भारत के बड़े हिस्से भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ राज्यों में आंधी, तूफान और बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग भारतीय मौसम विभाग (प्डक) के अनुसार, अकोला देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं प्रयागराज में पारा 44.4 डिग्री तक पहुंच गया। मध्य प्रदेश में इस बार पहली बार 'वॉर्म नाइट' का अलर्ट जारी किया गया है। भोपाल समेत 9 शहरों कृसीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में रात के समय भी तेज गर्मी रहने की चेतावनी है। वहीं डिंडौरी में लू का अलर्ट जारी किया गया है। इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर सहित कई शहरों में तापमान 42 डिग्री के पार बना हुआ है। कोटा में गर्मी से राहत के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव किया गया। वहीं पूर्वोत्तर राज्यों में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। प्डक के मुताबिक अगले 4–5 दिनों तक उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों में अलग–अलग समय पर लू का असर रहेगा। दिल्ली–एनसीआर में 21 से 24 अप्रैल के बीच तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 22 अप्रैल को दिनभर लू चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने, अधिक पानी पीने और जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

इंदौर में भाजपा का केंद्रीय शिविर शुरू, 7 राज्यों के दिग्गज जुटे

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण शिविर बुधवार को इंदौर के डेली कॉलेज में शुरू हुआ। इस एक दिवसीय कार्यशाला में देश के सात राज्यों से वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। शिविर का मुख्य फोकस संगठन को तकनीकी रूप से मजबूत करने और डिजिटल माध्यमों के जरिए चुनावी रणनीति को प्रभावी बनाना रहा। विभिन्न सत्रों में प्रतिनिधियों को डेटा मैनेजमेंट, सोशल मीडिया रणनीति और आधुनिक चुनावी तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में अजय जामवाल, रत्नाकर, विनय सहस्त्रबुद्धे और ओमप्रकाश धनखड़ सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने विचार रखे। इस प्रशिक्षण वर्ग में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, दादरा और नगर हवेली और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पदाधिकारी शामिल हुए। जिन राज्यों में चुनाव प्रस्तावित हैं, वहां के पदाधिकारियों को इस शिविर में शामिल नहीं किया गया। शिविर को अनुशासित और गोपनीय बनाए रखने के लिए कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध रखा गया, साथ ही वाहनों के प्रवेश को भी सीमित किया गया। स्थानीय स्तर पर हेमंत खंडेलवाल, कैलाश विजयवर्गीय, गौरव रणदिवे और सुमित मिश्रा सहित कई नेता मौजूद रहे। भाजपा इस तरह के प्रशिक्षण शिविरों के जरिए आगामी चुनावों की तैयारी को मजबूत करने पर जोर दे रही है।

इंदौर पुलिस पर गंभीर आरोप, 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

इंदौर। शहर में पुलिस की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एक कारोबारी द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद पुलिस विभाग ने कार्रवाई करते हुए 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। मामला व्यवसायी गौरव जैन से जुड़ा है, जिन्होंने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उनके घर से करीब 22 तोला सोना गायब कर दिया। उनका कहना है कि पुलिस ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए और मास्टर चाबी से दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया। आरोपों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई एक रिटायर्ड एसीपी से जुड़े प्रॉपर्टी विवाद के नाम पर की गई। पीड़ित का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की, अवैध रूप से हिरासत में लिया और उन्हें ग्वालियर तक ले जाया गया। वहां एक निजी गेस्ट हाउस में उनके साथ दुर्व्यवहार किए जाने का भी आरोप है। मामले में जिन पुलिसकर्मियों के नाम सामने आए हैं, उनमें एसआई संजय विश्नोई सहित रणवीर कुशवाह, प्रणीत भदौरिया, दिनेश गुर्जर और दीपेंद्र मिश्रा शामिल हैं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि उनसे जबरन 27 हजार रुपये वसूले गए, जिसमें कुछ रकम ऑनलाइन ट्रांसफर करवाई गई। घटना 1 अप्रैल की बताई जा रही है। मामले के सामने आने के बाद विभाग ने प्रारंभिक जांच के आधार पर सभी आरोपित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। फिलहाल, पूरे मामले की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

29 अप्रैल को शिव मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे सीएम योगी, अयोध्या में तैयारियां तेज

अयोध्या। योगी आदित्यनाथ 29 अप्रैल को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के परकोटा में बने शिव मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। कार्यक्रम शाम 5 बजे आयोजित होगा, जिसकी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव ने बताया कि मुख्यमंत्री को आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया गया है और उनके हाथों से ही यह धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीब 1000 कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। ध्वजारोहण से पहले मुख्यमंत्री हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन–पूजन करेंगे, इसके बाद जनसभा को संबोधित भी करेंगे। कार्यक्रम के लिए परकोटा के उत्तर–पूर्वी कोने पर मंच तैयार किया जा रहा है, जबकि वीआईपी अतिथियों के बैठने की व्यवस्था पूर्वी हिस्से में की जाएगी। ट्रस्ट के अनुसार, मां भगवती और शेषावतार मंदिर पर भी 15 मई तक ध्वजारोहण होने की संभावना है। साथ ही, मंदिर की पूजा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 15 नए अर्चकों की नियुक्ति की गई है। ये सभी पिछले तीन वर्षों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे और अब परकोटे सहित कुल 16 मंदिरों में सहायक पुजारी के रूप में सेवाएं देंगे। आचार्य दुर्गा प्रसाद के मुताबिक, यह कदम न केवल पूजा व्यवस्था को

सुदृढ़ करेगा, बल्कि नई पीढ़ी को धार्मिक परंपराओं से जोड़ने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

सदियों के आक्रमणों के बावजूद अडिग है सनातन आस्था : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत लखनऊ में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा उत्तर प्रदेश का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली सनातन विरासत और आधुनिक विकास के नए युग में एक साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सदियों के आक्रमणों के बावजूद सनातन आस्था अडिग रही और आज "यतो धर्मस्ततो जयः" के भाव के साथ पुनः अपने स्वाभिमान के शिखर पर स्थापित हो रही है। मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक पुनरुत्थान का उल्लेख करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल और राजेंद्र प्रसाद के योगदान को याद किया और कहा कि आज वही सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अभियान नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुका है। इस अवसर पर उन्होंने सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा को रवाना करते हुए इसे भारत की आस्था, एकता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और दृढ़ नेतृत्व में अपनी गौरवशाली विरासत के साथ–साथ आधुनिक विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। आज का यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि भारत के शास्त्रों की मान्यता के अनुसार जैसे आत्मा अजर–अमर है, वैसे ही सनातन आस्था भी इस अजर–अमर पथ का प्रतीक है। लेकिन इस मार्ग में बाधक बने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू। उनकी इच्छा थी कि यह कार्य न हो, परंतु सरदार पटेल की दृढ़ संकल्प शक्ति के सामने नेहरू की नहीं चली। सरदार पटेल के प्रयासों से मंदिर का निर्माण पूरा हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन को आगे बढ़ाने के लिए आयोजन समिति ने तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को आमंत्रित किया। तभी कांग्रेस सरकार और पंडित जवाहरलाल नेहरू फिर बाधक बन गए। उन्होंने लिखित रूप से कहा कि राष्ट्रपति को इस आयोजन में भाग नहीं लेना चाहिए, क्योंकि यह धर्मनिरपेक्षता की भावना के विपरीत होगा। एक ओर कांग्रेस की सरकार कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू कर तुष्टिकरण की पराकाष्ठा कर रही थी और आतंकवाद की नींव रख रही थी, वहीं दूसरी ओर सनातन आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार और प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम का विरोध कर रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो कार्य आजाद भारत में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने आगे बढ़ाया था, उसी अभियान को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा रहा है। यह भारत के स्वाभिमान को, सनातन आस्था के गौरव को और हमारी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि 10–11 वर्ष पहले कोई सोच भी नहीं सकता था कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो पाएगा। आज हर भारतवासी, देश या दुनिया के किसी भी कोने में जाए हर जगह एक ही आवाज गूंजती है और वह है जय श्री राम। कोई भी भारतीय चाहे देश में हो या विदेश में, जब अयोध्या का नाम सुनता है तो स्वतः उसके मुंह से "जय श्री राम" निकलता है और वह तुरंत कहता है कि उसे अयोध्या जाने की बहुत इच्छा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 वर्ष पहले जिन आक्रांताओं ने अयोध्या के राम मंदिर को अपवित्र किया और हिंदुओं की आस्था पर कुठाराघात किया था, आज उनका नाम तक लेने वाला नहीं बचा है। लेकिन सनातन की अटूट आस्था आज भी आकाश की ऊंचाइयों पर है। प्रयागराज की पावन धरती पर गत वर्ष का महाकुंभ हो या 2019 का कुंभ, दुनिया को यह दिखा दिया गया है कि सांस्कृतिक आयोजन किस भव्य और समरसता भरे रूप में हो सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में काशी की जीवंतता है, अयोध्या की मर्यादा है, मथुरा–वृंदावन की भक्ति है और प्रयागराज की समरसता है। आज ये सभी पावन स्थल पूरे देश को अपनी ओर खींच रहे हैं। महाकालेश्वर जाएं तो महाकाल का महालोक, केदारनाथ जाएं तो केदारेश्वर का भव्य मंदिर, बद्रीनाथ जाएं तो बद्री विशाल का दिव्य मंदिर और रामेश्वरम जाएं तो रामेश्वरम धाम, ये सभी हमें आकर्षित करते हैं। यही है भारत की सनातन शक्ति, जो बिना डिगे, बिना रुके और बिना झुके निरंतर अपनी यात्रा आगे बढ़ा रही है। यह पूरे भारत का गौरव है। इस गौरव का साक्षी बनने के लिए आज उत्तर प्रदेश से 1000 से अधिक श्रद्धालु भगवान सोमनाथ धाम के दर्शन करने के लिए गुजरात की धरती की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। जब ये दर्शन करेंगे, तो उनसे प्राप्त पुण्य में हम सब भी भागीदार बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने अलग–अलग क्षेत्रों और जनपदों से कम से कम 11–11 श्रद्धालुओं को इस यात्रा के लिए चुना है। इनमें उद्यमी, नौजवान, महिला उद्यमी, छात्र और शिक्षक शामिल हैं। रेलवे इन श्रद्धालुओं को फ्री ट्रेन उपलब्ध करा रहा है, जबकि बाकी खर्चा पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उठा रहा है। ये श्रद्धालु काशी और अपने–अपने क्षेत्र के ज्योतिर्लिंग तथा तीर्थों का जल लेकर भगवान सोमनाथ का अभिषेक करेंगे और "हर–हर महादेव" के उद्घोष के साथ यात्रा करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, मंत्री डॉ संजय निषाद, विधायक डॉ नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य पवन चौहान, मुकेश शर्मा, लाल जी प्रसाद निर्मल और अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग अमृत अभिजात उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर विद्यार्थियों ने जगाई पर्यावरण संरक्षण की अलख, दिलाई गई शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल, करौंदा मसिना (सिद्धार्थनगर) के विद्यार्थियों ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर सनई चौराहा पर रचनात्मक एवं आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। बच्चों ने मनमोहक रंगोलियां, प्रेरणादायक पोस्टर तथा जन–जागरूकता अभियान के जरिए आम जनमानस को पृथ्वी को सुरक्षित रखने और स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। राहगीरों ने भी विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. सुशीला सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि "पृथ्वी हमारी सबसे अनमोल धरोहर है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।" असिस्टेंट डायरेक्टर काया सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करती है और समाज को जागरूक बनाती है। वहीं अध्यक्ष इंजीनियर ओ.पी. सिंह ने कहा कि "पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए छोटे–छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं।" कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें उन्होंने पेड़–पौधे लगाने, जल संरक्षण करने तथा स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीण टोंक, प्रशासनिक अधिकारी स्टेनली फर्नांडीस, कोऑर्डिनेटर हेमंत कुमार दुबे, आर.के. द्विवेदी, शेष मुनि, जया त्रिपाठी, आर. के. पांडेय सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

नारी शक्तिबंधन अभियान के तहत संगोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर नगर पालिका के महंत अवैद्यनाथ सभागार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नारी शक्ति बंधन अभियान के अंतर्गत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता शोहरतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल रहीं, जबकि अध्यक्षता महिला मोर्चा की अध्यक्ष अरुणा मिश्रा ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उमा अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान सरकार में महिलाओं को अभूतपूर्व सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, डॉ. सीमा मिश्रा ने महिला आरक्षण विधेयक को भारतीय लोकतंत्र का एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि इससे शासन व्यवस्था में लैंगिक असमानता कम होगी और महिलाओं को अपनी आवाज सीधे सदन तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। संगोष्ठी में जिला उपाध्यक्ष मुन्नी देवी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष विंदूमती मिश्रा और पूर्व प्रधान सरोज शुक्ला ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव ने सभी का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी के उपरांत महिलाओं ने शहर में पदयात्रा निकालकर केंद्र सरकार के प्रति आभार जताया। पदयात्रा का समापन सिद्धार्थ तिराहे पर हुआ। इस दौरान महिला आरक्षण को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने समर्थन में हस्ताक्षर भी किए। कार्यक्रम में संयोजक जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, भाजपा नेता सत्यप्रकाश राही, नगर अध्यक्ष सतीश रस्तोगी, नितेश पांडे, आर्चिष्मान मिश्रा सहित सैकड़ों महिलाएं और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

24अप्रैल से जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता महिला प्रतियोगिता शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर में स्पोर्ट स्टेडियम में 24 4 2026 को जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता महिला प्रतियोगिता रखी गई है जिसमें बलरामपुर के सभी विद्यालयों से अनुरोध है अपने खिलाड़ियों को प्रतिभा करवा जिले की कोई भी खिलाड़ी इसमें पार्टिसिपेट कर सकता है अपनी टीम के साथ और साथ में आधार कार्ड की फोटो कॉपी भी लेकर आए सुबह 9रू00 बजे से है टूर्नामेंट स्टार्ट होगा।

कलेक्ट्रेट बार संघ बलरामपुर का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न, पदाधिकारियों ने ली शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। कलेक्ट्रेट बार संघ बलरामपुर के नव–निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अपर जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार ने अध्यक्ष कमलेश्वर सिंह तथा महामंत्री अशोक कुमार मिश्रा व राजेश मिश्रा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान अपर जिला अध्यक्ष सुमित प्रेमी एवं ज्ञानेंद्र कुमार ने7 उपाध्यक्ष अनुराग आचार्य, जितेन्द्र मिश्रा, के.जी. गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष दिनेश सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अमरेन्द्र कुमार, आशुतोष ओझा, नागेन्द्र कुमार शुक्ला, नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार मिश्रा, सीताराम सोनी, अमरेन्द्र कृष्ण तिवारी पृथ्वीराज सिंह एवं अब्दुल मजीद खाँ शामिल हैं। सामान्य कार्यकारिणी (15 वर्ष से कम अनुभव) में धर्मेंद्र तिवारी, शुभम तिवारी, राज कुमार पाठक, कृष्ण कुमार तिवारी, राम गोपाल वर्मा एवं नफीस खाँ को शामिल किया गया है। कार्यक्रम का संचालन डीजीसी क्रिमिनल कुलदीप सिंह ने कुशलतापूर्वक किया। वहीं वरिष्ठ राजकुमार श्रीवास्तव ने सभी नव–निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्र त्रिपाठी, अजय बहादुर सिंह, के. जी. श्रीवास्तव, मुकेश सिंह, पुष्पेंद्र पांडे, एम.पी. यादव, मोनू सिंह, घनश्याम तिवारी, मुर्तजा हुसैन, शिव योगी राजन, अनिल शुक्ला, अजीत शुक्ला, मोहित श्रीवास्तव, लालजी, संजय तिवारी सहित कई गणमान्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा चुनाव अधिकारी हरि राम पांडे, कुलदीप तिवारी, देवेंद्र पांडे समेत सैकड़ों अधिवक्ताओं की उपस्थिति ने समारोह को भव्य बना दिया। कार्यक्रम के अंत में बार संघ की एकजुटता बनाए रखने एवं अधिवक्ता हितों की रक्षा के लिए सभी ने संकल्प लिया।

बढ़नी नगर पंचायत बोर्ड बैठक में विकास योजनाओं पर मंथन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी / सिद्धार्थनगर। बुधवार को बढ़नी नगर पंचायत सभागार में चेयरमैन सुनील अग्रहरि की अध्यक्षता एवं अधिशाषी अधिकारी अजय कुमार की उपस्थिति में नगर पंचायत बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में कराए गए विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान विकास कार्य प्रमुख मुद्दा रहा। विभिन्न वार्डों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार, अधूरे कार्यों को पूर्ण करने तथा नई परियोजनाओं के निर्माण को लेकर रणनीति बनाई गई। इसके साथ ही सभासदों से उनके–अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुसार प्रस्ताव मांगे गए, ताकि योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति दी जा सके। बैठक में सभासद निसार अहमद, सरोजा देवी, मनोज यादव, मो. अकबर, निजाम अहमद, सतीश चन्द्र शर्मा, दरख्शा, आरशमा खातून, दीपमाला, कन्हैया लाल मित्तल एवं रजीउद्दीन उपस्थित रहे। इसके अलावा मनोनीत सभासद त्रियुगी अग्रहरि, रामधनी मौर्य, अनीता जायसवाल, लिपिक ऋषभ मोदनवाल सहित अन्य कर्मचारी एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। बैठक के अंत में चेयरमैन ने सभी सभासदों से क्षेत्रीय समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सक्रिय सहयोग की अपील की।

कार्यालय : खण्ड विकास अधिकारी- खेसरहा, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा विज्ञप्ति

क्षेत्र पंचायत खेसरहा सिद्धार्थनगर द्वारा ठेकेदारी से भिन्न प्रकृति के कार्यों के लिए वर्ष 2026–27 में मनरेगा, राज्य केंद्र वित्त एवं विधायक निधि व सांसद निधि के कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट, ईट गिट्टी, इंटरलॉकिंग, लोकल बालू, सीमेंट, मौरंग, सरिया दरवाजा फाटक, पेंट, वायरिंग सामान, पत्थर गिटटी, साइन बोर्ड लोहा, साइन बोर्ड, हयूम पाइप भूमिगत नाली नाली पाइप स्टील लाइट आरो प्लांट, रावीस ईट रोड़ा, सफेद सीमेंट, समोसम डिस्टेंपर, ऑयल ब्रांड पेंट कंपनी का नाम सहित फर्श टायल्स, दीवाल टाइल, पी०ओ०पी० सामग्री कार्टेड धुलाई सहित, बांधने वाला तार, कनेक्शन पाइप, विद्युत सामग्री, गेटवाल, भारतीय तरह शौच सेट वॉश बेसिन, पुरुष महिला मूत्रालय सेट, प्लास्टिक पेंट, दरवाजा प्लाईवुड, समरसेबुल बोरिंग, सीलिंग फैन पीवीसी, डॉक्टर फिक्सिट पीवीसी पाइप, ग्लास, मुर्गा जाली, साउंड, अलमारी फर्नीचर (मेज, सोफा, कुर्सी आदि) लोहे का सेल्फ सहित, स्टील बेन्च, सीमेन्टेड बेन्च कूडादान, सफाई किट, स्टील बेन्च, स्ट्रीट लाइट, हाईमास्ट लाइट, रोप लाइट ए०सी०पी० व फाल सीलिंग सामग्री आदि की आपूर्ति हेद अल्पकालीन निविदा दिनांक 25.04.2026 से 02.05.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है इच्छुक आपूर्तिकर्ता अपनी निविदा दर वांचित प्रपत्र सहित बंद लिफाफे में क्षेत्र पंचायत खेसरहा के निविदा दिनांक 02.05.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे तक बॉक्स में डाली जाएगी / निविदा दिनांक 02. 05.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे समिति के समक्ष खोली जाएगी। निविदा फार्म व अन्य जानकारी के लिये किसी भकार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

नियम व शर्तेः–

1– निविदा फार्म विकास खण्ड कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है जिसका मूल्य 1000.00 है अथवा खाता सं० 11167654259 बैंक का नाम भारतीय स्टेट बैंक खेसरहा IFSC COAD- SBIN0003621 मे जमा कर रसीद संलग्न करना होगा।
2– आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है।
3– निविदा खोलने की कार्यवाही गठित समिति के श्सदस्यों के द्वारा निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी।
4– खण्ड विकास अधिकारी / अध्यक्ष क्षेत्र पंचायत द्वारा बिना कोई कारण बताये एवं बिना नोटिस दिये किसी भी निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5– अपूर्ण अथवा सही ढंग से निविदा प्रपत्र न भरी हुई निविदाये स्वीकार नहीं किया जायेगा।
9– ठेकेदार / आपूर्तिकर्ता को अवर अभियन्ता के निर्देशानुसार कार्य करना होगा। निर्माण कार्य का निरीक्षण में पाई गयी कमी पर खण्ड विकास अधिकारी के आदेशानुसार भुगतान बिल से कटौती किया जायेगा।
10– जमानत राशि रू0 10,000.00 एफ० डी०आर० / एन०एस०सी० के रूप में खण्ड विकास अधिकारी के पक्ष में बन्धक हो सलग्न करना होगा जो कार्य समाप्ति अथवा अन्तिम भुगतान के छः माह के पश्चात निर्माण कार्य हेतु जमानत धनराशि वापस कर दिया जायेगा।
11– किसी विवाद की दशा में खण्ड विकास अधिकारी / अध्यक्ष, क्षेत्र पंचायत का निर्णय अन्तिम होगा जो उभय पक्ष को मान्य होगा।
12– फर्म के बिल से शासनादेश के अनुसार देय आयकर, जी०एस०टी०, सेस व अन्य कर नियमानुसार कटौती किया जायेगा जो ठेकेदार को मान्य होगा।
13– निविदा के साथ निविदादाता को नियमानुसार 100.00 रूपये के स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध करना होगा।
14– निविदा के साथ संलग्न धरोहर की राशि जमा रसीद, आयकर प्रमाण–पत्र, आधार, पैन, जी०एस०टी० रजिस्ट्रेषन प्रमाणपत्र संलग्न करना होगा।
15– सेवा नियमावली 1970 के अन्तर्गत अधिकारी / कर्मचारी / मा० प्रमुख / ग्राम प्रधान / क्षेत्र पंचायत सदस्य के निकट सम्बन्धी पंजीयन के लिए पात्र नही होगे।
16– ठेकेदार द्वारा अनुबन्ध कराने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। अनुबन्ध के पूर्व किया गया कार्य स्वतःश्रमदान घोषित हो जायेगा।

अवर अभियन्ता
खेसरहा
जनपद- सिद्धार्थनगर

खण्ड विकास अधिकारी
खेसरहा
जनपद- सिद्धार्थनगर

प्रमुख
खेसरहा
जनपद- सिद्धार्थनगर

पंत्राक– 133 / 33 / 2–लेखा / टेण्डर–सूचना / 2026–27 | दिनांक– 21.04.2026

कार्यालय : नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर, जनपद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय 2.0 के अन्तर्गत 05 टी०पी०डी० वेट वेस्ट प्रोसेसिंग (पिट कम्पोस्टिंग के सिविल निर्माण कार्य कराया जाना है। नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित किया जाता है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा प्रपत्र आन लाइन उपलब्ध हैं, जो आन लाइन http://etender.up.nic.in पर ही डाउनलोड व अपलोड किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन / अपलोड की तिथि	23 / 04 / 2026
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	23 / 04 / 2026 अपराहन 11.00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	13 / 05 / 2026 अपराहन 04.00 बजे तक।
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	14 / 05 / 2026 सायं 11:00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	15 / 05 / 2026 सायं 04:00 बजे
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर

उक्त निर्माण कार्य से सम्बन्धित अधिक जानकारी http://etender.up.nic.in पर पर उपलब्ध है तथा उक्त निविदा के बारे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक :–124 / न०पा०परि०सि०न० / 2025–26 | दिनाँक 21 / 04 / 2016

खलीलाबाद–बहराइच रेल परियोजना से आवागमन होगा आसान, किसानों की समस्याओं के समाधान में तेजी

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। खलीलाबाद से बांसी, डुमारीगंज होते हुए बहराइच तक प्रस्तावित नई रेलवे लाइन से क्षेत्र की जनता में खुशी का माहौल है। इस परियोजना के पूरा होने से आवागमन सुगम होगा और विकास को नई गति मिलेगी। परियोजना कार्यों में तेजी लाने और भू–अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सक्षम प्राधिकारी डॉ. ज्ञान प्रकाश ने मंगलवार को बांसी तहसील के छितौना और सोनवलिया गांव का दौरा किया। उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। छितौना गांव में किसानों को मुआवजा प्रक्रिया की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि आवश्यक प्रपत्र जमा होने के बाद लगभग 15 दिन में सत्यापन पूरा होता है, जिसके बाद भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ती है। राजेंद्र यादव का मामला न्यायालय में विचाराधीन है, जबकि श्रीराम, जितेंद्र, धर्मेंद्र, सोहराती, शांति देवी, अभिमन्यु और राम नरेश के प्रपत्रों का सत्यापन पूरा कर लिया गया है और उन्हें अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है। इसके बाद सोनवलिया गांव में संतोष मिश्र, रामफेर मिश्र और अशोक मिश्र की समस्याएं सुनी गईं। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि जिन किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है, वे अपने दस्तावेजों के साथ सिद्धार्थनगर कार्यालय में उपस्थित हों, ताकि उनके मामलों का शीघ्र समाधान किया जा सके। इस दौरान एसएलओ रवि कुमार, भू–अध्याप्ति अमीन अमर पाल, सौरभ श्रीवास्तव और लेखपाल सोनाली सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महोखवा गांव में मिशन शक्तिअभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। थाना कोतवाली बांसी पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत ग्राम महोखवा में महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान उन्हें सुरक्षा, कानून और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। दैनिक बुद्ध का संदेश की संवाददाता सुषमा मिश्रा के अनुसार, अभियान के तहत पुलिस टीम ने महिलाओं को मिशन शक्ति, नए कानून, साइबर अपराध से बचाव और एंटी रोमियो अभियान के बारे में विस्तार से बताया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, निराश्रित महिला पेंशन योजना और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही पुलिस ने हेल्पलाइन नंबरों क्र112 (आपातकालीन सेवा), 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा) और 181 (महिला

हेल्पलाइन) के बारे में भी बताया, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं तुरंत सहायता ले सकें। पुलिस ने महिलाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक रहने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी।

शोहरतगढ़ पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शोहरतगढ़ पुलिस को

एक और सफलता मिली है। पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना शोहरतगढ़ पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 62/2026, धारा 191(2), 109(1), 115(2), 352, 351(3), 117(2) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त राजेन्द्र यादव (51 वर्ष) पुत्र भगवती, निवासी ग्राम बोहली, थाना शोहरतगढ़, जनपद सिद्धार्थनगर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक दिनेश कुमार, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार यादव तथा कांस्टेबल मुन्नालाल यादव शामिल रहे।

समितियों के गठन की मांग को लेकर व्यापार मंडल ने ईओ को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर।

नगर पालिका परिषद बांसी में समितियों एवं उप–समितियों के गठन को लेकर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने अधिशासी अधिकारी जयप्रकाश सिंह यादव को पत्र सौंपा। बांसी। व्यापार मंडल ने अपने पत्र में कहा कि नगर पालिका परिषद का क्षेत्र काफी विस्तृत है और जनसंख्या भी अधिक है। ऐसे में अध्यक्ष व अधिकारियों के अधिकांश समय जिले से बाहर रहने के कारण कार्यपालन, वित्तीय व्यवस्था, मलिन बस्ती सुधार, शिक्षा, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, निर्माण कार्यों की पारदर्शिता, स्वच्छता तथा वार्डों के विकास जैसे आवश्यक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। व्यापार मंडल ने उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम के तहत नगरवासियों के हित में तत्काल समितियों एवं उप–समितियों का गठन किए जाने की मांग की है, ताकि कार्यों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने यह भी मांग उठाई कि नामित सदस्यों को नगर पालिका एक्ट, नियम व उपनियम की जानकारी नहीं है। ऐसे में सभी नामित सदस्यों को अद्यतन अधिनियम उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन कर सकें।

मनचलों और शोहदों पर पुलिस की सख्ती, एंटी रोमियो स्क्वाड ने चलाया चेकिंग अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। जनपद में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एंटी रोमियो स्क्वाड पुलिस लगातार सक्रिय है। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत थाना क्षेत्र बांसी में मनचलों और शोहदों की जांच के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। दैनिक बुद्ध का संदेश की संवाददाता सुषमा मिश्रा के अनुसार, पुलिस टीम ने बांसी बस स्टैंड, रानीगंज तिराहा, सोनखर सहित अन्य भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर सघन चेकिंग की। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी गई और अनावश्यक रूप से घूमने वालों से पूछताछ की गई। यह अभियान अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह के नेतृत्व तथा एंटी रोमियो स्क्वाड प्रभारी उपनिरीक्षक मीरा चौहान के निर्देशन में चलाया गया। पुलिस ने इस दौरान

महिलाओं और बच्चियों को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरोंक्र1090 (वूमेन पावर लाइन), 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपात सेवा), 108 (एम्बुलेंस) और 102 (स्वास्थ्य सेवा) के बारे में जानकारी दी। साथ ही महिला दुकानदारों से बातचीत कर बाजार और चौराहों पर संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी ली गई। पुलिस ने लोगों को आश्वस्त किया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। चेकिंग के दौरान कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई। इस अवसर पर उपनिरीक्षक मीरा चौहान और महिला आरक्षी नेहा सिंह सहित एंटी रोमियो स्क्वाड की टीम मौजूद रही।

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान जनरेटर हुआ चोरी पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उसका क्षेत्र के ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल पर श्रीमदभागवत कथा चल रहा है इसी दौरान जनरेटर चोरी का मामला सामने आया है। ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डीडी उपाध्याय ने बताया की श्रीमद भागवत कथा के पंडाल से जनरेटर चोरी हो गई इसकी जानकारी सुबह 7 बजे हुई इन्होंने बताया कि काफी खोजबीन किया गया लेकिन जानकारी नहीं मिली कुछ लोगो से जानकारी मिली की जोगिया पुलिस गस्त के दौरान जेसीबी और एक जनरेटर पकड़ा गया है जब हम जोगिया कोतवाली पहुंचे तब जाकर पहचान किया । प्रबंधक डीडी उपाध्याय ने कहा की जनरेटर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया चलने का हालत में नहीं है। यह भी बताया कि मिट्टी पाटने का कार्य जेसीबी के द्वारा एक महीना से चल रहा था लेकिन यह उम्मीद नहीं थी कि जनरेटर ही चोरी हो जायेगा। ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल के प्रबंधक ने बुधवार थाना उसका बाजार में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। थाना प्रभारी हरे कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि तहरीर मिली है जांच कर कार्यवाही की जा रही है।

तेज रफ्तार का कहर : बोलेरो और स्कूटी की टक्कर में युवक घायल, गोरखपुर रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुधवार को ढेबरुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत तुलसियापुर चौराहे के पास एक चार पहिया वाहन (महिंद्रा बोलेरो संख्या न्छ–55–ग–8287) और स्कूटी (संख्या न्छ–55–ो–0633) के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसकी स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं बोलेरो के अगले हिस्से पर भी टक्कर के स्पष्ट निशान देखे गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की सहायता से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शोहरतगढ़ पहुंचाया। वहां तैनात डॉक्टर अभय भारती ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल युवक की पहचान राजेंद्र पुत्र राम चंदर, निवासी वार्ड नंबर 6 आर्य नगर, नगर पंचायत

शोहरतगढ़ के रूप में हुई है। बताया जाता है कि राजेंद्र कस्बे में शांति मार्केट के सामने मूंगफली आदि का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण–पोषण करता है। परिजनों के अनुसार, जिला मुख्यालय पर भी युवक की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते उसे बेहतर उपचार के लिए गोरखपुर रेफर किया जा रहा है।घटना की सूचना युवक के रिश्तेदार ज्वाला कौशल को दे दी गई है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

पेट्रोल लेने के होड़ में युवक में मारपीट

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। बुधवार को सुबह में पेट्रोल लेने के लिए थाना क्षेत्र उसका बाजार के एचपी पेट्रोल पंप पर तेल लेने के लिए लाइन में खड़े रहे लोग तभी एक युवक से बहस हो जाती है जिसके चलते दोनों युवक हाथापाही पर आ जाते है एक दूसरे को लात घूसे बरसाते रहे पेट्रोल पंप पर मौजूद पुलिसकर्मी ने छुड़ाने का प्रयास किया लेकिन दोनों युवक मानने को तैयार नहीं रहे बड़ी मशक्कत के बाद पुलिस कर्मी ने मामले को शांत कराया । पेट्रोलपंप पर मौजूद लोगों ने वीडियो बनाकर सोसल मीडिया पर वायरल कर दी । थाना प्रभारी हरे कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि दोनों युवक को शांत करा दिया गया तहरीर नहीं मिली है,तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी शांति व्यवस्था में तेल वितरण किया जा रहा है।

पेट्रोल–डीजल की किल्लत पर यूटा ने उठाई आवाज, जिला पूर्ति अधिकारी को भेजा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) द्वारा जनपद में पेट्रोल और डीजल की समस्या को लेकर जिला पूर्ति अधिकारी को पत्र प्रेषित किया गया है। संगठन ने ईंधन की कमी से शिक्षकों को हो रही परेशानियों पर चिंता जताई है। पत्र में यूटा ने बताया कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सुबह चार बजे से ही पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग रही हैं। इससे शिक्षक–शिक्षिकाओं को अपने वाहनों में ईंधन भरवाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, जिसके कारण समय से विद्यालय पहुंचना और शैक्षिक दायित्वों का निर्वहन करना कठिन हो रहा है। संगठन ने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में चल रहे जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यों के प्रशिक्षण में भी ईंधन की कमी के कारण बाधा उत्पन्न हो रही है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। जिलाध्यक्ष अभय कुमार पांडेय ने पत्र के माध्यम से प्रशासन से आग्रह किया है कि पेट्रोल पंप संचालकों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए जाएं, ताकि शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर पेट्रोल और डीजल उपलब्ध कराया जा सके। यूटा ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन शीघ्र ही इस समस्या का समाधान करेगा, जिससे शिक्षक अपने शैक्षिक और राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन सुचारु रूप से कर सकें।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा में डीएम सख्त, आयुष्मान कार्ड प्रगति धीमी मिलने पर जताई नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में आयुष्मान कार्ड बनाने की धीमी प्रगति पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी को क्षेत्र भ्रमण कर प्रगति सुधारने को कहा गया, वहीं आयुष्मान केंद्रों को समय से संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जो आशा कार्यकर्ता प्रसव नहीं करा रही हैं, उन्हें चिन्हित कर नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में घर पर प्रसव न हो, सभी गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी अस्पताल में ही सुनिश्चित की जाए। घर पर प्रसव होने पर संबंधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। डीएम ने एनबीएसयू को 24 घंटे सक्रिय रखने, वार रूम का नियमित निरीक्षण करने और बीएचएनडी दिवस पर उच्च जोखिम (भ्त्च) गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका समुचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एएनएम, आशा और सीएचओ को आवश्यक किट उपलब्ध कराने और समन्वय के साथ कार्य करने पर भी जोर दिया गया। टीकाकरण अभियान की समीक्षा करते हुए शत–प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने और डेटा फीडिंग में शुद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने, परिवार नियोजन, पीसीपीएनडीटी, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर और रोगी कल्याण समिति की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी मरीज को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। टीबी के लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान के लिए पब्लिक नोटिफिकेशन बढ़ाने और इमरजेंसी सेवाओं में रेफरल रजिस्टर बनाए जाने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. ए. के. झा, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा पर सख्ती, चालकों को दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में अंबेडकर सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने स्पष्ट रूप से कहा कि स्कूली वाहन चालक केवल एक वाहन चालक नहीं होते, बल्कि वे देश के भविष्य को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने कहा कि "आप सिर्फ गाड़ी नहीं चला रहे हैं, बल्कि नन्हे–मुन्ने बच्चों के जीवन की जिम्मेदारी आपके हाथों में है।" इसीलिए प्रत्येक चालक को अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा एवं सजगता के साथ निर्वहन करना चाहिए। यातायात नियमों के पालन पर विशेष बल देते हुए कहा कि सड़क पर छोटी–सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने सभी चालकों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें, ओवरलोडिंग से बचें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग बिल्कुल न करें। साथ ही, वाहन में अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, जीपीएस सिस्टम एवं सीसीटीवी कैमरा जैसी आवश्यक सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखने के निर्देश भी

दिए गए। विद्यालय प्रबंधकों को भी यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि वे अपने वाहनों की नियमित जांच कराएं और यह देखें कि सभी सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है। चालकों का पुलिस सत्यापन, उनके ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता तथा समय–समय पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी अनिवार्य रूप से कराया जाए। बैठक की अध्यक्षता , परिवहन विभाग के अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य एवं स्कूली वाहन चालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना तथा सड़क सुरक्षा के प्रति सभी संबंधित पक्षों को जागरूक करना रहा। गोष्ठी के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि वे यातायात नियमों का पूरी ईमानदारी से पालन करेंगे और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। "आइए हम सब मिलकर यातायात नियमों के पालन का संकल्प लें" के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर यह भी रेखांकित किया गया कि आपकी एक छोटी–सी सावधानी कई जिंदगियों को बचा सकती है। अतः प्रत्येक चालक को जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, ताकि हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बना रहे। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, एआरटीओ संजय सिंह, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, (प्रा0ख0) कमल किशोर, व अन्य सम्बन्धित उपस्थित थे।

सम्पादकीय

बाल मन में नायक

हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन की परिपाटी, सोच की दिशा, शोध की परिकल्पना और आशाओं का सवेरा लाने के लिए शैक्षणिक परिसर के उद्गार बदलने होंगे। प्रदेश का भाषा–संस्कृति विभाग के प्रकाशन बाल मन में नायकत्व पैदा करने की पुस्तकें प्रकाशित करे। प्रदेश के पुराने स्कूल–कालेजों पर केंद्रित साहित्य, प्राचीन शहरों और गांवों के इतिहास पर लिटरेचर सामने आए तो ...

राहों पर निकलते युगों की पहचान कर लें, तो भविष्य की यात्राएं सुखद रहेंगी। हिमाचल में सियासी तौर पर शिक्षा को सजाने के कई दरबार बन गए और जहां हाजिरी में सिर्फ भवन तसदीक हुए। ऐसा नहीं कि पढ़ाई के दौरान कई सफल चरित्र पहचान बन गए, लेकिन हमने कतारबद्ध डिग्रियों को सरकारी नौकरी के परचम से बांध दिया। हम या तो कर्मचारी राज्य बनते गए या सरकारी नौकरी की दरगाह में मानसिक कमजोरी से पहुंचने लगे। हमारे सामने शिक्षा की हिस्ट्री ने अल्पमत विश्वास, सरकारी रोजगार या अभिभावकों का करार चुन लिया। इसी तरह हिमाचल के उदाहरण बने और एक पीढ़ी ने ऐसी उपाधियां ओढ़ लीं जो सरकारी नौकरी की मोहनी सूरत और अपनी क्षमता की मृगतृष्णा में उलझ गए। इसी दौरान स्कूल–कालेजों से ऐसे बच्चे निकले जो डिग्रियों की औपचारिकता से कहीं दूर, अपनी सफलता के क्षितिज पर अलग–अलग विषयों में डंका बजाने लगे। क्या हमें याद है किस कालेज से कोई युवा फिल्म उद्योग तक कैसे पहुंचा। किसने संगीत के माहौल में कालेज के दिनों को कैसे बुना। मोहित चौहान को ही लें, तो धर्मशाला कालेज परिसर में चीड़ के पौधों के नीचे कब संगीत गूंजा या धौलाधार के साक्ष्यों ने विश्वास किया। शिमला की ओबोहवा में प्रिटि जिंटा ने सिने वर्ल्ड के डग भरे, तो कालेज की सखियों ने खुद को गौरवान्वित समझा। विक्रम बतरा ने पालमपुर के शैक्षणिक माहौल से उठकर सरहद पर नाम लिखने का बीड़ा उठाया, तो किसने सोचा होगा कि यह बच्चा डिग्रियों के कदमताल से ऊपर, देश का टीका लगाने के लिए अपने लहू का रंग इस्तेमाल करेगा। कहने का संदर्भ यह कि शैक्षणिक संस्थानों में पनपती उत्कंठा को समझने या इतिहास बनाने निकले युवाओं को याद करने की एक परंपरा होनी चाहिए। पिछली सरकार ने स्कूलों से निकले चेहरों को याद करने के लिए शुरुआत तो की, लेकिन इसे पूरा नहीं किया गया। ऐसे में आधी सदी या इससे भी अधिक समय गुजार चुकी तमाम शिक्षण संस्थाओं को अपने इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। हम तात्कालिक अर्थों में व्यक्तित्व विकास के मुहावरे बनाते हैं, जबकि हमारे आसपास का मानव इतिहास प्रेरणाओं से भरा है। हर कालेज की परिधि में अगर कुछ साहित्यकार, पत्रकार, ब्यूरोक्रेट, अधिकारी, गायक और खिलाड़ी निकले हैं, तो उनकी उपलब्धियों के इतिहास का लेखाजोखा शैक्षणिक संस्थान को स्वर्णिम अक्षरों में लिखना चाहिए। स्कूलों के वार्षिक समारोह जिस रौनक के आदी हो गए हैं, वहां एक परिचय सफल उजालों से भी होना चाहिए। उस सोच की गुलामी से हिमाचल की प्रतिभा को मुक्त करने का वक्त आ गया है जो सरकार से असंभव उम्मीदों का वातावरण बनाए रखती है। जीवन की किश्ती अगर एक ही दिशा–एक ही लक्ष्य की ओर चलेगी, तो भंवर सिर्फ नजरअंदाज होंगे–फतह नहीं। स्कूलों में हर बच्चे के भीतर 'एक नायक मन' है। उसकी सृजनशीलता के ताबूत पर अभिभावकों के ताले, स्कूली पाठ्यक्रम के हस्ताक्षर और सियासी लक्ष्यों के फासले लिख दिए जाते हैं। आश्चर्य तो यह कि विश्वविद्यालय भी सियासी आडंबर में खुद को समायोजित करते रहते हैं। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन की परिपाटी, सोच की दिशा, शोध की परिकल्पना और आशाओं का सवेरा लाने के लिए शैक्षणिक परिसर के उद्गार बदलने होंगे। प्रदेश का भाषा–संस्कृति विभाग के प्रकाशन बाल मन में नायकत्व पैदा करने की पुस्तकें प्रकाशित करे। प्रदेश के पुराने स्कूल–कालेजों पर केंद्रित साहित्य, प्राचीन शहरों और गांवों के इतिहास पर लिटरेचर सामने आए तो हम ज्ञात अनुभूतियों से ऊपर अपने गौरव की पाठशाला में बच्चों के निश्चय व निर्णायक आभा को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए जोरावर सिंह, बजीर राम सिंह पठानिया या पहाड़ी गांधी कांशीराम सरीखे नायकों पर नाटकों का मंचन करें या पाठ्य पुस्तकों के प्रवाह में हिमाचल के सफल चरित्रों का वर्णन करें, तो एक आशा व प्रेरणावादी माहौल जरूर बनेगा।

निवेश के दृष्टिकोण से यह लॉन्ग टर्म ग्रोथ वाला बजट

आज 1 फरवरी, 2026 है, और सरकार ने देश का केंद्रीय बजट 2026–27 पेश कर दिया है। यह बजट विकसित भारत निवेश के .ष्टिकोण से यह श्लॉन्ग टर्म ग्रोथश वाला बजट है।के लक्ष्य की ओर एक और बड़ा कदम माना जा रहा है, जिसमें तकनीक, बुनियादी ढांचे और मध्यम वर्ग को संतुलित करने का प्रयास किया गया है। आज वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट न केवल वित्तीय लेखा–जोखा है, बल्कि अगले एक दशक के लिए भारत की आर्थिक दिशा का ब्लूप्रिंट भी है। इस साल के बजट में डिजिटल इकोनॉमी, ग्रीन एनर्जी और मध्यम वर्ग को राहत देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए नई कर व्यवस्था में मानक कटौती की सीमा बढ़ा दी है। मध्यम आय वर्ग के लिए टैक्स स्लैब को तर्कसंगत बनाया गया है, जिससे नौकरीपेशा लोगों के हाथों में अधिक बचत सुनिश्चित हो सके। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटन को पिछले वर्ष की तुलना में 12: बढ़ाया गया है। इसमें रेलवे हेतु वंदे भारत ट्रेनों के नए स्लीपर कोच और 500 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास शामिल है।साथ ही हेतु नेशनल हाईवे के विस्तार के लिए रिकॉर्ड आवंटन भी शामिल है। लॉजिस्टिक्स में माल ढुलाई की लागत कम करने के लिए नए समर्पित कॉरिडोर शामिल हैं। कृषि और ग्रामीण विकास पर देखें तो पाएंगे कि किसानों के लिए श्डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चरश पर जोर दिया गया है। यहां ड्रोन तकनीक रू फसलों की निगरानी और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए सब्सिडी है। प्रा.तिक खेती में 1 करोड़ किसानों को प्रा.तिक खेती अपनाने के लिए सहायता की अवधारणा है। भंडारण हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना का विस्तार हुआ है। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र मेंयुवाओं के लिए श्इंटर्नशिप योजनाश और कौशल विकास केंद्रों पर निवेश बढ़ाया गया है। शिक्षा बजट में विशेष रूप से ए आई और सेमीकंडक्टर रिसर्च के लिए अलग से फंड आवंटित किया गया है, ताकि भारत वैश्विक टेक हब बन सके। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब इसमें और अधिक गंभीर बीमारियों और मध्यम वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने का प्रस्ताव है। साथ ही, टियर–2 और टियर–3 शहरों में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गई है। यह बजट संतुलित दिखता है, जहाँ एक ओर वित्तीय घाटे को नियंत्रित करने का लक्ष्य है, वहीं दूसरी ओर आम आदमी की जेब का भी खयाल रखा गया है। निवेश के .ष्टिकोण से यह श्लॉन्ग टर्म ग्रोथश वाला बजट है।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

खेतों में मौन होता श्रम

रास्ता उन श्साझा हाथोंश से होकर जाता है जो झाबुआ के खेतों में एक–दूसरे को थामे हुए हैं। अड़जी–पड़जी हमें याद दिलाती है कि खेती केवल एक व्यापार नहीं है, बल्कि एक सामुदायिक उत्सव और जीवन पद्धति है। यदि हम वास्तव में किसान और मजदूर दोनों को बचाना चाहते हैं, तो हमें अपनी आधुनिक नीतियों में झाबुआ के इस अड़जी–पड़जी मॉडल को जगह देनी होगी। स्थानीय ज्ञान और...

एक कड़वी सच्चाई आज का भारतीय किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ खेती में श्प्रच्छन्न बेरोजगारीश का शोर है, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि बुवाई और कटाई के पीक सीजन में किसान को एक मजदूर तक नसीब नहीं होता। जो मजदूर उपलब्ध हैं, उनकी नकद मजदूरी की मांग और किसान की भुगतान करने की घटती क्षमता। पिरोधाभासों के बीच फंसी खेती भारतीय कृषि आज एक अजीबोगरीब चौराहे पर खड़ी है। अर्थशास्त्री इसे श्अधिशेष श्रमश का क्षेत्र कहते हैं, जहां आवश्यकता से अधिक लोग नियोजित हैं। लेकिन धरातल की सच्चाई इसके ठीक उलट है। आज गांव का किसान बुवाई और कटाई के महत्वपूर्ण समय में श्हाथश तलाश रहा है, जबकि खेत में पसीना बहाने वाला मजदूर सम्मानजनक पारिश्रमिक और सुरक्षा के अभाव में शहरों की ओर पलायन कर रहा है। यह केवल एक आर्थिक संकट नहीं है, बल्कि उस सामाजिक ढांचे का ढहना है जिसने सदियों तक भारतीय गांवों को आत्मनिर्भर बनाए रखा था। इस गहराते संकट के बीच, मध्य प्रदेश के झाबुआ की आदिवासी परंपरा श्अड़जी–पड़जीश एक ऐसी मशाल बनकर उभरती है, जो न केवल श्रम की समस्या का समाधान देती है, बल्कि आधुनिक खेती के लिए एक नया श्इकानॉमिक मॉडलश भी प्रस्तुत करती है।

कृषि श्रम का गहराता संकट रू एक कड़वी सच्चाई आज का भारतीय किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ खेती में श्प्रच्छन्न बेरोजगारीश का शोर है, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि बुवाई और कटाई के पीक सीजन में किसान को एक मजदूर तक नसीब नहीं होता। जो मजदूर उपलब्ध हैं, उनकी नकद मजदूरी की मांग और किसान की भुगतान करने की घटती क्षमता के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है। अड़जी–पड़जी सामूहिक श्रम की गौरवशाली परंपरारू जहां आधुनिक नीतियां विफल होती हैं वहां आदिवासी समाज का श्स्थानीय ज्ञानश मार्ग दिखाता है। झाबुआ और अलीराजपुर के आदिवासी अंचलों में प्रचलित श्अड़जी–पड़जीश कोई साधारण प्रथा नहीं, बल्कि श्रम के लोकतंत्रीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। श्अड़जी–पड़जीश का दर्शन सरल और प्रभावी हैरू इसमें गांव के किसान एक–दूसरे के खेतों में सामूहिक रूप से काम करते हैं। यदि आज एक किसान के खेत में बीज रोपना है, तो पूरा गांव या टोला वहां मौजूद होगा। कल वही समूह दूसरे के खेत में जाएगा। यहां श्रम का मूल्य श्नोटोंश में नहीं, बल्कि श्सहयोगश में मापा जाता है। इसमें न कोई मालिक है, न कोई नौकरय हर कोई एक–दूसरे का सहयोगी है। समाधान के रूप में स्थानीय ज्ञान के लाभरू अड़जी–पड़जी जैसी परंपराएं आधुनिक कृषि की तीन बड़ी चुनौतियों का समाधान करती हैं–

आर्थिक स्वावलंबन, छोटे और सीमांत किसानों के पास नकद राशि का अभाव होता है। अड़जी–पड़जी नकद मजदूरी की आवश्यकता को समाप्त कर देती है, जिससे किसान को साहूकारों या बैंकों से कर्ज नहीं लेना पड़ता। समयबद्धता और लचीलापनरू कृषि में समय का बहुत महत्व है। बारिश होने के साथ ही बुवाई शुरू करनी होती है। अड़जी–पड़जी के माध्यम से जो काम एक परिवार दस दिन में करता, वह सामूहिक श्रम से एक ही दिन में संपन्न हो जाता है। श्रम की गरिमा और सुरक्षारू जब किसान एक–दूसरे के खेतों में काम करते हैं, तो काम में श्सम्मानश जुड़ जाता है। यह उन मजदूरों के लिए भी एक सुरक्षित विकल्प है जो शहरों की असुरक्षित गलियों में धक्के खाने के बजाय अपने समुदाय के बीच रहकर गरिमापूर्ण जीवन जीना चाहते हैं। कृषि श्रम कोष परंपरा को नीति का समर्थनरू झाबुआ के इस अनुभव को राष्ट्रव्यापी बनाने के लिए केवल सराहना काफी नहीं है, इसे नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। एक श्कृषि श्रम कोषश की स्थापना समय की मांग है। इस कोष का उद्देश्य उन समुदायों और समूहों को वित्तीय प्रोत्साहन देना होना चाहिए जो मशीनीकरण के बजाय पारंपरिक श्रम–साझा प्रणालियों को चुनते हैं। यह कोष छोटे और मध्यम किसानों को संगठित होने, श्टूल बैंकश (साझा कृषि उपकरण) बनाने और पीक सीजन के दौरान होने वाले जोखिमों को कवर करने में मदद कर सकता है। यदि सरकार मनरेगा जैसी योजनाओं को इन स्थानीय श्रम–साझा मॉडलों के साथ जोड़ दे, तो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और उत्पादकता दोनों में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। पारिस्थितिकी और सामाजिक न्याय का संगमरू अड़जी–पड़जी केवल श्रम बचाने का तरीका नहीं है, यह श्प्राकृतिक खेतीश का आधार भी है। जब श्रम सामूहिक होता है, तो रसायनोंकी जगह हाथों से निराई–गुड़ाई संभव होती है। इससे मिट्टी की उर्वरता बचती है और पर्यावरण की रक्षा होती है। यह मॉडल सामाजिक न्याय की भी बात करता है, क्योंकि यह महिलाओं के श्रम को अदृश्य होने से बचाता है और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करता है। जड़ों की ओर वापसीरू भारतीय कृषि आज जिस चौराहे पर खड़ी है, वहां रास्ता केवल स्मार्ट सिटी या श्बड़ी मशीनोंश से होकर नहीं जाता।

मोदी– दोनों हाथों में लड्डू

अब एससी, एसटी और ओबीसी के लोग इस बात की उम्मीद मोदी सरकार से बांध लेंगे कि सामाजिक न्याय भी मोदी के रहते ही मुमकिन होगा और वहीं सवर्ण तबका चाहे भाजपा से जितनी नाराजगी दिखाए, वोट देने के वक्त उसे मोदी की ब्राह्मणवाद को बढ़ावा देने वाली राजनीति ही याद आएगी। संसद में पुरोहितों की मौजदूगी में सेंगोल रखने से लेकर...

जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए चाहे जितने कठोर नियम बना ले, उन्हें लागू करना आसान नहीं होगा। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी द्वारा जारी नए नियमों पर देश भर में सवाल और बवाल दोनों खड़े हुए और उसके बाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में इसे रोकने के लिए याचिकाएं दायर हुईं, जिन पर गुरुवार 29 जनवरी को महत्वपूर्ण सुनवाई भी हो गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर अस्थायी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि पहले दृष्टिकोण से यह प्रतीत होता है कि इन नियमों की भाषा में स्पष्टता की कमी है, जिससे उनका गलत उपयोग हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चेतावनी दी कि ऐसे नियम समाज को विभाजित कर सकते हैं और परिसरों में अमेरिका की तरह नस्लीय विभाजन जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन नियमों की जांच की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने केंद्र सरकार से इन नियमों की समीक्षा करने को कहा और तब तक उनके लागू होने पर रोक जारी रखने का आदेश दिया। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे एक विशेषज्ञ कमेटी गठित करें। जिसमें कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल करने पर विचार किया जाए, ताकि समाज में बिना भेदभाव के समग्र विकास हो सके। गौरतलब है कि यूजीसी नियमावली, 2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया था। ये नियम अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों के खिलाफ भेदभाव, उत्पीड़न और आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से लाए गए हैं। यह 2012 के पुराने नियमों की जगह लाए गए हैं। इन नियमों के तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में समता समितियां (इक्विटी कमेटी) गठित करना अनिवार्य किया गया है। इस कमेटी का काम जातिगत भेदभाव की शिकायतों की जांच करना है। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के हक की बात उठते ही समाज में बवाल खड़ा हो गया। भारत में जाति व्यवस्था इतनी गहरी पैठी हुई है कि जाति के नाम पर उत्पीड़न सामान्य व्यवहार के तौर पर अपना लिया गया है। एक इंसान दूसरे इंसान को केवल जाति के आधार पर अपमानित, शोषित या प्रताड़ित करे, यह चलन सदियों से चला आ रहा है और इसे दूर करने की जितनी कोशिशें की गईं, उतने ज्यादा अड़ंगे सवर्ण समाज की तरफ से लगाए गए। चाहे मंडल कमीशन की सिफारिशें हों या अभी यूजीसी के नए नियम, उन पर समाज का एक तबका ऐसे विरोध में उतरा मानो अपने से निचली जातियों का उत्पीड़न उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट में सवर्ण वर्ग की ओर से दायर याचिकाओं में इन नियमों को असंवैधानिक बताया गया है। इसे जाति आधारित भेदभाव करार दिया। याचिकाकर्ताओं में से एक वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ है और इससे शिक्षा क्षेत्र में, समाज में और अधिक खाई पैदा हो सकती है। कितने कमाल की बात है कि शिक्षा क्षेत्र या समाज में जातिगत भेदभाव इन लोगों को तब दिखाई नहीं देता, जब किसी दलित बच्चों को मध्याह्न भोजन में अलग पंक्ति में बिठाने की खबरें आती हैं, या किसी छात्र को उसकी निचली जाति के कारण शारीरिक या मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता है। रोहित वेमुला या पायल तड़वी जैसे लोगों को अगर आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया, तो उसके पीछे यही सदियों से चला आ रहा जातिगत भेदभाव ही है। बहरहाल, अब शीर्ष अदालत इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को करेगी। तब तक मोदी सरकार जाति या किसी और कारण से समाज को बांटने के नए तरीके सोच ही लेगी। वैसे तो शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी ने बचाव में कहा कि नए नियम किसी समुदाय को निशाना नहीं बनाते हैं और समितियां निष्पक्ष होंगी, जिसमें विविध प्रतिनिधित्व होगा। लेकिन सरकार इस बात को अच्छे से जानती थी कि कमजोर तबके के लोगों को सुरक्षा देने या उन्हें आगे बढ़ाने के लिए जो भी फैसले लिए जाएंगे, उस पर समाज के सवर्ण तबके से तीखी प्रतिक्रिया आएगी ही और इस मामले पर राजनीति भी खूब होगी। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी के नियम केवल कानूनी मसला नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और राजनैतिक पहलू भी हैं। जिनमें चुनावी हित नाप–तौल के ही मोदी सरकार आगे बढ़ी है। पूरे देश में यूजीसी के नए नियमों पर केवल विरोध ही नहीं हुआ, बल्कि नरेन्द्र मोदी–अमित शाह के पोस्टरों पर प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उनके खिलाफ कब्र खुदेगी जैसे नारे लगाए गए। मजे की बात ये है कि इन नारों को लगाने वाले सवर्ण छात्रों को किसी ने देशद्रोही नहीं कहा। जबकि जेएनयू में ऐसे ही नारे लगे थे तो छात्रों को फौरन देशविरोधी करार दिया गया था। जाति पर किस तरह का भेदभाव समाज में किया जाता है, ये उसी का एक उदाहरण है। बहरहाल, यूजीसी के नए नियमों को अभी लाना और फिर लागू होने पर रोक लगाना, सब चुनावी राजनीति की तरफ इशारा करते हैं। बिहार चुनाव में तो एसआईआर के कारण भाजपा को काफी मदद मिल गई। लेकिन तमिलनाडु, प.बंगाल, असम, केरल और पुडुचेरी में भाजपा को तरकश में कुछ और तीर बढ़ाने थे। कांग्रेस जातिगत जनगणना और आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा से आगे निकली हुई थी, अगले साल उत्तरप्रदेश में चुनाव हैं और वहां समाजवादी पार्टी भी पीडीए को आगे बढ़ाए हुई है। ऐसे में भाजपा को इनकी काट निकालनी थी, सो यूजीसी के नए नियमों से उसमें मदद मिल गई।

विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर सर्वोदय शिक्षण संस्थान रावर्ट्सगंज सोनभद्र द्वारा आयोजित एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार नईदिल्ली द्वारा प्रायोजित दी आर्यनस एकडमी स्कुल रावर्ट्सगंज के प्रांगण में जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन किया गयाद्य कार्यशाला के मुख्य अतिथि कृष्ण मोहन जी काशी प्रान्त के संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि एवं अध्यक्षता कथाकार रामनाथ शिवेंद्र, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त ओम प्रकाश त्रिपाठी, प्रबंधक विनोद कुमार जालान विभाग संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि सोनभद्र विभाग , प्रधानाचार्य चित्रा जालान एवं साहित्यकार एवं कवि प्रदुमन त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व पृथ्वी दिवस पर हमारी शक्ति हमारा ग्रह थीम के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु चर्चा एवं जागरूक कर सभी को संकल्प एवं प्रतिज्ञा दिलाया गया सभी ने संकल्प लिया की मैं पृथ्वी दिवस पर प्रतिज्ञा करता हूँ की मैं विद्युत और सभी प्रकार की ऊर्जा का बिना किसी अपव्यय के जिम्मेदारी पूर्वक उपयोग करूँगा मैं जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करुँगा स्वचछ, हरित और नविकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दूंगा मैं अपने दैनिक जीवन में सतत प्रथाओं को अपनाऊंगा ऐसा करने के लिए समाज में सभी को प्रेरित करुँगा क्यों की ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण धरती माता और आने वाली पीढ़ियों के हित के लिए आवश्यक हैं संकल्प दिलाने के बाद स्कूल के बच्चों एवं बच्चियों को चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से धरती बचाओं पेड़ लगाओं विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता कराते हुए जागरूक किया गया। कृष्ण मोहन प्रान्त संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि काशी प्रान्त ने बताया की गर्मी केवल मौसम नहीं है, यह एक चेतावनी है। धरती चुप नहीं हैकृवह लगातार संकेत दे रही है कि कुछ गंभीर रूप से गलत हो रहा है। हर साल तापमान नए रिकॉर्ड तोड़ रहा है। शहर गर्म तवे की तरह जल रहे हैं, नदियाँ सिकुड़ रही हैं, जंगलों की हरियाली धुएँ और धूल में बदल रहा है। कभी जो गर्मी असामान्य लगती थी, आज वही सामान्य बनती जा रही है। सवाल यह है कि क्या हम सच में इस खतरे को समझ रहे हैं, या केवल पंखे, कुलर और एयर कंडीशनर बढ़ाकर खुद को धोखा दे रहे हैं? पहले प्रकृति में एक संतुलन था। ऋतुएँ समय पर आती थीं, बारिश अपने समय पर होती थी, और धरती जीवन को सहजता से पोषित करती थी। लेकिन आज यह संतुलन टूट चुका है। कहीं बाढ़ सब कुछ बहा ले जाती है, तो कहीं महीनों तक सूखा धरती को फाड़ देता है। कहीं जंगल आग में जल रहे हैं, तो कहीं शहरों की हवा सांस लेने लायक नहीं बची। और यह सब केवल "प्राकृतिक परिवर्तन" नहीं है। यह मानव की अपनी बनाई हुई स्थिति है। हमने विकास के नाम पर जंगल काटे, नदियों को बाँधा, पहाड़ों को तोड़ा और आसमान को धुएँ से भर दिया। हमने यह मान लिया कि प्रकृति हमारे नियंत्रण में है। लेकिन सच्चाई यह है कि प्रकृति को जीतने की कोशिश में हम धीरे–धीरे खुद को ही हार रहे हैं। बढ़ती गर्मी केवल असुविधा नहीं हैकृयह आने वाले संकट की शुरुआत है। हीट वेव अब खबर नहीं, एक नया सामान्य बनती जा रही है। किसान की फसल सूख रही है, मजदूर तपती सड़कों पर बेबस खड़े हैं, और शहरों में पानी तक संकट बनता जा रहा है। आने वाले समय में पानी, भोजन और स्वच्छ हवा जैसी मूलभूत चीजें भी संघर्ष का कारण बन सकती हैं। सबसे दुखद बात यह है कि हम जानते हैं कि समस्या क्या है, फिर भी हम उसे रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे। हम विकास की अंधी दौड़ में इतने व्यस्त हैं कि यह भूल गए हैं कि अगर धरती ही असंतुलित हो गई, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ अर्थहीन हो जाएँगी।आज सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं।सवाल यह है कि जब पृथ्वी हमें बार–बार चेतावनी दे रही है, तब भी क्या हम सुनने को तैयार हैं. .?क्योंकि अगर हमने अभी भी नहीं समझा, तो आने वाला समय केवल गर्म नहीं होगाकृवह भयावह होगा।और तब शायद इतिहास यह लिखेगा कि पृथ्वी को किसी बाहरी शक्ति ने नहीं, बल्कि मानव की अपनी लापरवाही और लालच ने संकट में डाल दिया।इसलिए यह समय केवल चिंता करने का नहीं,जागने का समय है। प्रकृति के साथ संतुलन बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुका है। क्योंकि अगर धरती बची

रहेगी, तभी भविष्य बचेगा।और अगर हमने अभी भी नहीं सीखा, तो यह बढ़ती गर्मी केवल मौसम नहीं, मानव सभ्यता की सबसे बड़ी चेतावनी साबित होगी। स्कूल की प्रधानाचार्य चित्रा जालान ने बताया की यदि पृथ्वी ना होती तो हमारा अस्तित्व ही ना होता और ना ही हम किसी दूसरे ग्रह पर जा पाते इसलिये यदि पृथ्वी को कुछ भी हो जाता हैं तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा हमें याद रखना चाहिए की आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी का संरक्षण होना आवश्यक हैं और हम अपनी इच्छा अनुसार इसके संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग नहीं कर सकते हैं इसलिये हम सभी लोगों की जिम्मेदारी बनती हैं की हम सभी लोग पानी को बर्बाद ना करें पानी को बचाये, पेंड़ को कटने से बचाये, पेंड़ का संरक्षण करें हम सभी ऊर्जा को बचाकर, पुनचकरण करके और प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाकर बदलाव ला सकते हैं याद रखे भविष्य हमारे हाथों में हैं अगर हम पृथ्वी को बचाते हैं तो हम खुद बचेंगे इसलिए अब हमारी जिम्मेदारी हैं की पृथ्वी पर जो भी प्राकृतिक संसाधन हैं उसे हम सभी जैसे पेंड़, पानी, पहाड़, नदी, आदि को प्रदूषित होने और कटने से बचाएंगे इस प्रकार लोगों को जागरूक किया गया कथाकार रामनाथ शिवेंद्र ने बताया की आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं क्यों की यह हमारे दृष्टिकोण को बदल सकता हैं इस दिन हमें खुद को प्रकृति से अलग नहीं बल्कि जटिल रूप से जुड़ा हुआ देखने के लिए प्रेरित करता हैं हर किसी को अपने दैनिक जीवन में छोटे छोटे बदलाव करना चाहिए जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके पृथ्वी दिवस को खास बनाने के लिए पर्यावरण से जुडी कई गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं इसलिये हम सभी को पेंड़ लगाना चाहिए, प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए और प्रदुषण को कम करना चाहिए। ओम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया की हमें घरों व ऑफिस में प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए वायु प्रदूषण को कम करने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट व साईकिल का इस्तेमाल करना चाहिए प्रकृति के सैर पर जाना चाहिए अपनी जीवन शैली में छोटे छोटे बदलाव करके आप पर्यावरण को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं हमें अपने परिवार के सदस्यों एवं दोस्तों को पर्यावरण और पृथ्वी को बचाने के लिए अच्छे तरीकों के बारे में शिक्षित एवं प्रेरित करना चाहिए। संस्था के सचिव विष्णु तिवारी ने लोगों को जागरूक करते हुए बताया की भारी मात्रा में पेंड़ काटे जाने, नदी व वायु प्रदुषण के चलते ग्लोबल वार्मिंग पुरे विश्व के लिए खतरे का संकेत हैं पृथ्वी का संतुलन बिगड़ना हम सभी के लिए एक बड़ी समस्या हैं हर किसी को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए आज विश्व पृथ्वी दिवस के दिन सभी को धरती माता को बचाने और पर्यावरण को बेहतर बनाने एवं पेंड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए इसी प्रकार से आज विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसी प्रकार से आज विद्यालय के बच्चों को जागरूक करते हुए रैली, पोस्टर चित्रकला प्रतियोगिता कराकर जागरूक किया गया विद्यालय के बच्चों ने रैली के माध्यम से नारा लगाया की धरती बचाओ वृक्ष लगाओं, पर्यावरण बचाओं प्रदूषण हटाओं इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों एवं बच्चियों को सम्मानित किया गया और कपड़े का झोला वितरण किया गया। विभाग संयोजक विनोद कुमार जालान ने बताया कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन से चिंतित है। धरती पर निरंतर बढ़ते तापक्रम से जीव और वनस्पति जगत के लिए संकट उत्पन्न कर दिया है। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन ने जीवन को प्रभावित कर दिया है। जलवायु परिवर्तन के कारण आज अतिवृष्टि,अल्प वृष्टि अनावृष्टि, सूखा,बाढ़, बादल फटना बिजली गिरना शीतलहर, तूफान,भीषण गर्मी, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक विभीषिकाओं का सामना करना पड़ रहा है। धरती पर बढ़ते तापक्रम के कारण समुद्र का जलस्तर ऊपर उठ रहा है।समुद्र के किनारे बसे नगरों के लिए खतरे की घंटी है।जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए हम अपने स्तर पर छोटे–छोटे प्रयास कर सकते हैं। पर्यावरण और प्रकृति का संरक्षण करना हमारा दायित्व है, विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जन जागरण की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरेंद्र नगर प्रचारक, विनोद जालान , प्रतिमा चौबे, उमाकांत दुबे, योगेश नारायण सिँह, दीक्षित तिलक, हरिओम पाण्डेय अश्विनी कुमार रामनारायण, रवि कुमार उपस्थित रहे।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- भरौली, वि.ख.- रुधौली, जनपद- बस्ती

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **भरौली** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, जेसीबी, ट्रैक्टर टॉली किराये पर, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 25/04/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **भरौली** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 24/04/2026 को अपराहन 12 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :**– 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ष्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **भरौली** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **भरौली** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

दुर्गावती
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत-भरौली
वि.ख. - रुधौली

स्नेहा श्रीवास्तव
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत-भरौली
वि.ख. - रुधौली

अच्छी तस्वीरें खींचना चाहते हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

अच्छी तस्वीरें खींचना एक कला है। इसके लिए सिर्फ महंगे कैमरा या मोबाइल फोन का होना जरूरी नहीं है, बल्कि सही तरीके और नजरिया भी अहम होते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी सुझाव देंगे, जिनसे आप अपनी तस्वीरों को और भी बेहतर बना सकते हैं। सही रोशनी, फ्रेमिंग, और कैमरा सेटिंग्स के साथ–साथ अभ्यास भी जरूरी है। इन सुझावों को अपनाकर आप अपनी फोटोग्राफी कौशल को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

प्राकृतिक रोशनी का करें उपयोगः अधिकतर फोटोग्राफर मानते हैं कि प्राकृतिक रोशनी सबसे अच्छी होती है। सुबह और शाम की धूप में तस्वीरें खींचना सबसे अच्छा होता है क्योंकि इससे तस्वीरों में एक खास निखार आता है। दिन के समय की तेज रोशनी से बचें और कोशिश करें कि आपकी तस्वीरें प्राकृतिक वातावरण में ही खींची जाएं। इससे आपकी तस्वीरों में एक अलग ही चमक आएगी और वे और भी सुंदर दिखेंगी।

सही फ्रेमिंग का ध्यान रखें

तस्वीरों की फ्रेमिंग बहुत अहम होती है। हमेशा ध्यान रखें कि आपका विषय बीच में हो और उसके चारों ओर पर्याप्त जगह हो। इसके अलावा बैकग्राउंड को भी साफ और अनावश्यक वस्तुओं से मुक्त रखें ताकि ध्यान सिर्फ आपके विषय पर ही जाए। अगर आप किसी व्यक्ति की फोटो ले रहे हैं तो उसके आस–पास की चीजें कम से कम हों। इससे आपकी तस्वीरें ज्यादा आकर्षक और पेशेवर दिखेंगी।

कैमरा सेटिंग्स को समझें

अगर आप अपने कैमरे या मोबाइल फोन की सेटिंग्स को अच्छी तरह से समझते हैं तो आप बेहतरीन तस्वीरें ले सकते हैं। आईएसओ, शटर स्पीड, और अपर्चर जैसे शब्द आपको भले ही कठिन लगें, लेकिन इनका सही उपयोग आपकी फोटोग्राफी को नया मोड़ दे सकता है। कोशिश करें कि आप मैनुअल मोड में फोटो खींचें ताकि आपको हर सेटिंग का पूरा ज्ञान हो सके। इससे आप अपनी तस्वीरों को और भी बेहतर बना सकते हैं।

तस्वीरें लेते समय हमेशा अपने विषय पर ध्यान केंद्रित करें। चाहे वह कोई व्यक्ति हो, प्रकृति की सुंदरता हो या कोई वस्तु हो, उसे पूरी तरह से कैद करने की कोशिश करें। अगर आप किसी व्यक्ति की फोटो ले रहे हों तो उसके भाव पर ध्यान दें और प्रकृति की तस्वीरें लेते समय उसके रंगों और आकृतियों पर ध्यान दें। इससे आपकी तस्वीरें और भी आकर्षक और पेशेवर दिखेंगी।

नियमित अभ्यास करें

फोटोग्राफी एक ऐसी कला है, जिसमें नियमित अभ्यास बहुत जरूरी होता है। जितना ज्यादा आप फोटो खींचेंगे, उतना ही बेहतर आप बनेंगे। अलग–अलग परिस्थितियों में फोटो खींचने की कोशिश करें ताकि आपको हर स्थिति का अनुभव हो सके और आप हर परिस्थिति में अच्छा काम कर सकें। इन सरल लेकिन प्रभावी सुझावों को अपनाकर आप अपनी फोटोग्राफी कौशल को एक नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं और अपनी तस्वीरों में नया जीवन ला सकते हैं।

बहराइच में प्रधानों का बिगुल: "चुनाव टले तो बढ़े कार्यकाल, पहले दो मनरेगा का भुगतान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के तेजवापुर और महसी ब्लॉक में पंचायत विकास मंच के बैनर तले प्रधानों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे प्रधानों ने पंचायत चुनाव समय से न होने की स्थिति में कार्यकाल बढ़ाने और मनरेगा के बकाया भुगतान को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रधानों ने खंड विकास अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए साफ कहा कि यदि तय समय पर पंचायत चुनाव नहीं कराए जाते हैं, तो वर्तमान प्रधानों को ही प्रशासक के रूप में कार्य करने की अनुमति दी जाए। साथ ही मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों का बकाया भुगतान कार्यकाल समाप्त होने से पहले किया जाए। पंचायत विकास मंच के संयोजक सूरज शुक्ला, डॉ. श्याम चौधरी, प्रधान संघ अध्यक्ष भगवानदीन मिश्रा, संरक्षक रामसुंदर पांडे, महामंत्री सूर्य प्रकाश सिंह (बुल्लू सिंह) प्रधानों ने चेतावनी दी कि 26 सहित कई प्रधानों ने बताया मई 2026 को उनका कार्यकाल

कि मनरेगा 2005 अधिनियम के अंतर्गत कराए गए कार्यों का भुगतान लंबे समय से लंबित है। श्रमांश और सामग्री मद में करोड़ों रुपये अटके होने से सप्लाई करने वाली फर्मों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है, लेकिन मतदाता सूची पुनरीक्षण में देरी, पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन न होना और आरक्षण के 'ट्रिपल टेस्ट' की प्रक्रिया अधूरी होने के कारण समय पर चुनाव कराना मुश्किल नजर आ रहा है। प्रधानों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय निकायों में आरक्षण लागू करने के लिए 'ट्रिपल टेस्ट' अनिवार्य है। उन्होंने मांग की कि जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही कार्यभार जारी रखने दिया जाए। पंचायत विकास मंच ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि बाहरी प्रशासकों की नियुक्ति की गई, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ होगा और इसके विरोध में आंदोलन तेज किया जाएगा। इस दौरान प्रकाश चन्द्र द्विवेदी, सुरेश त्रिवेदी, अभिषेक शुक्ला, मुतीउल्लाह, शिवराम वर्मा सहित कई प्रधान और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नवागत आयुक्त दुर्गाशक्ति नागपाल ने किया कार्यालयों का निरीक्षण, स्वच्छता व व्यवस्थाओं पर सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। देवीपाटन मंडल की नवागत आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने बुधवार को आयुक्त कार्यालय परिसर में स्थापित विभिन्न कार्यालयों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों की कार्यप्रणाली, साफ–सफाई व्यवस्था तथा अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से कार्यालयों में स्वच्छता बनाए रखने, समय–समय पर रंगाई–पुताई कराने तथा कार्यस्थल को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित कार्यालय न केवल कर्मचारियों की कार्यक्षमता को बढ़ाता है, बल्कि आमजन में भी सकारात्मक संदेश देता है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि

जनपदीय एवं मंडलीय कार्यालयों में स्वच्छता सुनिश्चित की जाए तथा कार्यप्रणाली को बेहतर बनाया जाए। इसी के अनुरूप सभी अधिकारी अपने कार्यालयों की व्यवस्था दुरुस्त रखें। इसके साथ ही उन्होंने फाइलों के समुचित रखरखाव, अद्यतन अभिलेखों की उपलब्धता तथा आवश्यक दस्तावेजों को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखने पर जोर दिया। आयुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्यालयीन कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करना प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के उपरांत आयुक्त ने जनता दर्शन कार्यक्रम में भाग लेकर आमजन की समस्याओं को सुना। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं उनके समक्ष प्रस्तुत कीं।आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण और त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है और इसमें प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई की जानी चाहिए।

"हरे पेड़ों पर चल रही आरी, फॉरेस्ट विभाग बना मूकदर्शक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच के कैसरगंज तहसील क्षेत्र में पर्यावरण का खुलेआम कत्ल जारी है। जरवल कस्बा, जरवल रोड और आसपास के देहात इलाकों में हरे–भरे पेड़ों की अंधाधुंध कटान थमने का नाम नहीं ले रही। हैरानी की बात ये है कि जिम्मेदार फॉरेस्ट अधिकारी इस पूरे मामले में या तो आंख मूंदे बैठे हैं या फिर उनकी भूमिका पर ही गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, लकड़ी माफियाओं और कुछ ठेकेदारों की मिलीभगत से सागवान, शीशम, नीम और गूलर जैसे कीमती पेड़ों को धड़ल्ले से काटा जा रहा है। हंसना, धौरी, भिंडे पुरवा, सोहर, धनसारी, खानेहटा, रसूलाबाद, उमरी समेत कई

गांव इस अवैध कटान की चपेट में हैं। जब भी कोई शिकायत या सवाल उठता है, ये माफिया तुरंत पल्ला झाड़ते हुए कहते हैं कि पेड़ किसान ने खुद कटवाए हैं। इस बहाने के पीछे सच्चाई को दबाने की साजिश साफ नजर आती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना विभागीय संरक्षण के इतने बड़े स्तर पर कटान संभव नहीं। शिकायतों के बावजूद कार्रवाई शून्य है, जिससे माफियाओं के हौसले सातवें आसमान पर हैं। एक ओर सरकार वृक्षारोपण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर हरियाली का बेरहमी से सफाया किया जा रहा है। इसका सीधा असर बारिश, जलवायु और खेती पर पड़ रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही हाल रहा तो सूखा और अकाल जैसी स्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता। क्या इस खबर के बाद फॉरेस्ट विभाग जागेगा? या फिर ये मामला भी फाइलों में दफन कर दिया जाएगा?

बहराइच में आवारा कुत्तों का आतंक, नाजिरपुरा में दहशत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शहर के मोहल्ला नाजिरपुरा में आवारा कुत्तों के आतंक से लोगों में भय का माहौल है। अंसारियां मस्जिद

के पास करीब 30 कुत्तों का झुंड खुलेआम घूम रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। मोहल्लेवासियों के अनुसार ये कुत्ते लगातार आक्रामक होते जा रहे हैं और आए दिन बकरी के बच्चों सहित अन्य पालतू जानवरों पर हमला कर रहे हैं। अब तक 15 से 20 बकरी के बच्चों के मारे जाने की बात सामने आई है। इतना ही नहीं, कई बार छोटे बच्चों पर भी झपटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे अभिभावकों में खासा डर व्याप्त है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि सुबह–शाम बच्चों को स्कूल भेजना खतरे से खाली नहीं है। अकेले निकलना मुश्किल हो गया है। कुत्तों का झुंड बाइक सवारों के पीछे दौड़ पड़ता है, जिससे हादसे का खतरा भी बढ़ गया है। रात के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है। कुत्तों के भौंकने और झुंड में घूमने से लोगों की नींद तक प्रभावित हो रही है। मोहल्ले के लोगों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि इन आवारा कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी कराई जाए और उन्हें सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

कांग्रेस की मानसिकता सदैव महिला विरोधी रही है : विशाल पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विशाल पाण्डेय के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जनपद के स्वर्ण जयन्ती चौक पर कांग्रेस व पूरे विपक्ष के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला दहन व प्लेकार्ड के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा विशाल पाण्डेय ने कहा राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागेदारी

बढ़ाने के लिए लोकसभा व विधानसभा में आरक्षण का प्रावधान करने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस द्वारा इस बिल का विरोध करना यह दर्शाता है कि उनकी मानसिकता सदैव महिला विरोधी रही है। आजादी के कई दशकों बाद भी संसद और विधानसभाओं मे महिलाओं की हिस्सेदारी नाम मात्र रही है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस विसंगति को दूर कर महिलाओं को देश मे विकास की मुख्यधारा मे लाना चाहते है लेकिन कांग्रेस की बाधा डालने वाली राजनीति संकिर्ण सोच का उजागर कर रही है। यदि कांग्रेस ने महिला सशक्तिकरण के राह में रोड़े अटकाना बंद नही किया तो यह आन्दोलन और उग्र होगा नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल के विरोध करने वालों को देश कि माताएं बहने जवाब देगी जो आगे आने वाले चुनाव में विपक्षियों को भुगतना पड़ेगा। इस मौके पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला, महेश्वर चन्द्रवंशी, बृजेश श्रीवास्तव, मनोज सोनकर, प्रसन्न पटेल, बलराम सोनी, विपिन तिवारी कुंवर चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा हिरेश द्विवेदी, संदीप सिंह, जिला मंत्री शिवम सिंह राजपूत, अतुल पाण्डेय, रोशन सिंह, गुडिया त्रिपाठी, प्रमिला जायसवाल, रुबी गुप्ता, रंजन पाण्डेय, आशा विश्वकर्मा, मीनू चौबे, अरविन्द सोनी, रीतु अग्रहरी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

बहराइचः विश्व पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, छात्रों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर शिवांशु सुशील महाविद्यालय, सुहापारा में जागरूकता कार्यक्रम का सफल

आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त पृथ्वी और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान लीगल एड क्लीनिक के प्रभारी पंकज श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने दैनिक जीवन में छोटे–छोटे बदलाव अपनाकर पृथ्वी को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी हैं। इस अवसर पर शिक्षक दिलीप कुमार और अमित श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखते हुए विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यालय अधीक्षक अशोक कुमार शर्मा और कंप्यूटर ऑपरेटर गंगा राम का विशेष योगदान रहा। अंत में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक शपथ ली।

महसी ब्लॉक सभागार में प्रधानों की बैठक, सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। विकासखंड महसी के सभागार में तजवापुर व महसी ब्लॉक के समस्त प्रधानों की

एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जहां विभिन्न विकास मुद्दों पर चर्चा की जा रही थी, वहीं सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल भी सामने आए। बैठक में मौजूद प्रधानों ने बताया कि सभागार में किसी भी सफाई कर्मी की मौजूदगी नहीं दिखी। जब इस संबंध में जानकारी ली गई तो पता चला कि अभी तक कोई भी सफाई कर्मी मौके पर नहीं पहुंचा है। इस स्थिति को लेकर प्रधानों में नाराजगी देखी गई। प्रधानों का कहना है कि ब्लॉक स्तर पर आयोजित इतनी महत्वपूर्ण बैठक में भी यदि साफ–सफाई की व्यवस्था दुरुस्त नहीं है, तो आम गांवों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। वहीं यह भी सामने आया कि ब्लॉक के कुछ कर्मचारी ही प्रधानों की देखरेख में व्यवस्था संभालते नजर आए। प्रधानों ने संबंधित अधिकारियों से इस लापरवाही पर ध्यान देने और सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति न उत्पन्न हो।

शोहरतगढ़ सीओ व इंस्पेक्टर ने किया पेट्रोल पंपों का निरीक्षण, दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र में डीजल व पेट्रोल की सुचारु आपूर्ति और भीड़ प्रबंधन को लेकर गुरुवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) मयंक द्विवेदी एवं थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पेट्रोल पंपों पर वितरण व्यवस्था का जायजा लेते हुए कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने महदेवा नानकार स्थित श्रीराम पेट्रोल पंप का भी दौरा किया, जहां बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थिति का गंभीरता से आकलन किया गया। उन्होंने पेट्रोल पंप कर्मियों को निर्देशित किया कि ईंधन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखें, किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने दें तथा उपभोक्ताओं को निर्धारित मानकों के अनुसार सेवा प्रदान करें। सीओ ने कहा कि भीड़ अधिक होने की स्थिति में लाइन व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जाए और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही किसी भी तरह की अफवाह से बचने और लोगों को जागरूक करने की भी अपील की गई।

चेकिंग के दौरान 9 स्कूल वाहनों पर कार्रवाई, 3 वाहन मानक विहीन मिलने पर तत्काल किया गया सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु परिवहन विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई जारी है।इसी क्रम में एआरटीओ (प्रशासन) आर.सी. भारतीत के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान थाना छपिया क्षेत्र में संचालित किया गया,जिसमें विद्यालय वाहनों की इंश्योरेंस, प्रदूषण, परमिट आदि की गहनता के साथ जांच की गई।चेकिंग अभियान के दौरान कुल 9 स्कूल वाहनों पर कार्रवाई की गई, जिनमें से 3 वाहन मानक विहीन पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से सीज कर दिए गए। जांच के दौरान कई वाहनों में आवश्यक सुरक्षा मानकों का अभाव पाया गया,जैसे फिटनेस प्रमाणपत्र की कमी, ओवरलोडिंग,अग्निशमन यंत्र का न होना व अन्य आवश्यक दस्तावेजों का अभाव।परिवहन विभाग गोण्डा ने इस कार्रवाई को बच्चों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का हिस्सा बताया है।एआरटीओ (प्रशासन) ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी विद्यालय वाहन स्वामी शासन द्वारा निर्धारित नियमों इंश्योरेंस, प्रदूषण, परमिट आदि का शत–प्रतिशत पालन

सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी विद्यालय वाहन में मानकों की अनदेखी पाई गई तो संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने यह भी कहा कि स्कूली बच्चों के जीवन और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल भी स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जागरूकता बढ़ाकर सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करना है।परिवहन विभाग ने सभी विद्यालय प्रबंधन एवं वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों की नियमित जांच कराएं और सभी आवश्यक मानकों को पूरा करें, जिससे बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन नोटिस सं०–LJN- PRKG-14-26

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है :–

क्र०सं०	लॉट सं०	कार्य का विवरण
01	PARKING-LJN-BLP-MX-122-26-1 (Parking - Mixed)	बलरामपुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
02	PARKING-LJN-MBP-MX-157-26-1 (Parking - Mixed)	मोहिबुल्लापुर स्टेशन के लेवल क्रासिंग सं० 09 के पास संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
03	PARKING-LJN-GKP-MX-143-25-2 (Parking-Mixed)	गोरखपुर स्थित रेल म्युजियम–कम–हैरिटेज प्लाजा में संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु
04	PARKING-LJN-GKP-MX-149-25-1 (Parking-Mixed)	गोरखपुर के ललित नारायण मिश्र रेलवे हॉस्पिटल स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु
05	PARKING-LJN-CLJ-MX-139-25-1 (Parking-Mixed)	कर्नैलगंज स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु
06	PARKING-LJN-BNZ-MX-129-25-1 (Parking-Mixed)	बादशाहनगर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार साईड स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु

● निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है। IREPS पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ● सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दिनांक– **04-05-2026, 12.00** बजे प्रारंभ होकर **04-05-2026, 13.20** बजे बंद होगी। ● इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ● अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे– डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। ● विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वा०–17 — सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

गैस सिलेंडर की किल्लत और एजेंसी पर बदहाल व्यवस्था से उपभोक्ता परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद का शहर क्षेत्र हो अन्य गैस सिलेंडर की महामारी खत्म होने का नाम नहीं ले रही अधिकारी सिर्फ मीटिंग करके खानापूर्ति में लगे हैं जबकि आमजनता की समस्या जब की तस है।ऐसा ही एक नज़ारा तहसील करनैलगंज नगर स्थित मनोकामना इंडेन गैस एजेंसी पर अव्यवस्थाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को उप जिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने पूर्ति निरीक्षक अनुज कुमार व आनंद प्रकाश के साथ एजेंसी पर छापेमारी कर व्यवस्थाएं सुधारने के सख्त निर्देश दिए थे, लेकिन महज दो दिन बाद बुधवार को हालात जस के तस नजर आए।बुधवार को किए गए रियलिटी चेक में एजेंसी पर भोर से ही उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी रही, जबकि गैस वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमराईघ्

दिखी। तेज धूप में महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य उपभोक्ता कई घंटों से सिलेंडर के इंतजार में लाइन में खड़े रहे, लेकिन न तो छाया की कोई व्यवस्था की गई और न ही पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गई। वहीं ना तो कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई गई और ना केवाईसी, बुकिंग व वितरण के लिए अलग–अलग काउंटर बनाये गये। इससे बड़ी संख्या में उपभोक्ता भीषण गर्मी मे बेहाल दिखाई पड़े। विदित हो कि एसडीएम द्वारा दिए गए निर्देशों में टेंट या टीन शेड लगाकर छाया की व्यवस्था, पेयजल उपलब्ध कराना, स्टॉक का सत्यापन कर समय से गैस वितरण,कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना और केवाईसी, बुकिंग व वितरण के लिए अलग–अलग काउंटर बनाने की बात कही गई थी। बावजूद इसके एजेंसी संचालक ने इन आदेशों को नजरअंदाज करते हुए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।स्थानीय लोगों का आरोप है कि एजेंसी पर मनमानी चरम पर है और उपभोक्ताओं का खुला शोषण किया जा रहा है। घंटों लाइन में लगने के बाद भी लोगों को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है, जिससे नाराजगी बढ़ती जा रही है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि प्रशासनिक सख्ती के बावजूद आखिरकार एजेंसी संचालक पर कोई असर क्यों नहीं पड़ रहा है?अगर जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उपभोक्ताओं का आक्रोश किसी बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन चुर्क में राजपत्रित अधिकारीगण के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित’

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस लाइन चुर्क स्थित कान्फ्रेन्स हॉल में पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में सर्वप्रथम विगत 03 वर्षों के भादवि/निरोधात्मक अपराध आंकड़ों की समीक्षा की गई, तत्पश्चात क्षेत्राधिकारी के पास लंबित विवेचनाओं की समीक्षा, 06 माह से अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के निस्तारण की समीक्षा तथा 60/90 दिवस में निस्तारित होने वाली विवेचनाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। इसके उपरांत एसआर एवं अन्य वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की समीक्षा तथा जनसुनवाई/आईजीआरएस/पीजी पोर्टल/सीएम हेल्पलाइन–1076 से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा, प्ब्ळैध्ब्ॅ पोर्टल पर लंबित अभियोगों के निस्तारण की समीक्षा, नए

थानों/चौकियों के कार्यों की समीक्षा, लॅी ।चच की समीक्षा तथा रिक्रुट आरक्षियों हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड (New Barrack@Verticaसे) की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके क्रम में साइबर अपराध एवं विभिन्न पोर्टलों पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण, फ्रॉड धनराशि होल्ड/रिफंड की स्थिति का अवलोकन किया गया तथा ब्म्प्त् पोर्टल पर गुम मोबाइल की बरामदगी की समीक्षा की गई। इसके उपरांत म्—ैीीलं के अंतर्गत ैप्क् जनरेट व साक्ष्यों की लिंकिंग की समीक्षा, लंबित प्रारंभिक जांचों की समीक्षा तथा क्षेत्राधिकारी स्तर पर विभिन्न आयोग/शासन/पुलिस मुख्यालय/जोन/रेंज/जनपद मुख्यालय से प्राप्त पत्रों के निस्तारण की समीक्षा की गई। तत्पश्चात राहत एवं आर्थिक सहायता (रानी लक्ष्मीबाई योजना) के प्रकरणों की समीक्षा, जमानतदारों के सत्यापन की समीक्षा तथा खनन से संबंधित अभियोगों में की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई। अंत में च्प्ज् छक्ै ।बज, 68थ् छक्ै ।बज, 107 ठछै एवं 14(1) गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत की गई कार्यवाहियों की समीक्षा, पैरोकार मीटिंग की समीक्षा, ‘थ्क की समीक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं जैसे डायल–112, श्र–डै पोर्टल एवं प्–ळव्ज् पोर्टल आदि की समीक्षा की गई। बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें तथा कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु प्रभावी कार्यवाही करें।

जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह को कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में दी गयी भावभीनी विदाई

टीम भावना के साथ किये गये कार्य के प्रति किया गया आभार व्यक्त’

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह को बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद सोनभद्र से विशेष सचिव उच्च शिक्षा विभाग के रूप में स्थानान्तरण होने पर भाव भीनी विदाई दी गयी, इस अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने उपस्थित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं में स्थानान्तरण एक सामान्य प्रक्रिया है, जो व्यक्ति सरकारी सेवाओं में आया है, वह समय–समय पर स्थानान्तरित होते हुए एक दिन सरकारी सेवा एक–दूसरे स्थान पर जाता रहता है। जो अधिकारी व कर्मचारी काफी मेहनती और ईमानदार होते हैं, उनके स्थानान्तरण के फलस्वरूप बिदाई देते वक्त मन भावुक हो जाता है। जनपद–सोनभद्र में मेरे अन्तिम कार्य दिवस को इतना यादगार बनाने के लिए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बहुत–बहुत धन्यवाद और जनपद सोनभद्र में आने के

दिन से आप सभी ने जो मेरा सहयोग किया है, यह कड़ी हमारे लिए यादगार रहेगी। प्रशासनिक सेवा के कार्यो को समयबद्धता के साथ किये जाने पर किसी अधिकारी कर्मचारी के ऊपर किसी प्रकार का कोई मानसिक दबाव नहीं होता और वह अपने कार्यो को बेहतर ढंग से कर लेता है शासकीय कार्यो के निर्वहन में पात्र व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कराया जाना प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने भी जिलाधिकारी द्वारा जनपद में किये गये सराहनीय कार्यो के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कहा कि ऐसे ही कर्मठ एवं लगनशील अधिकारी के रूप में जिलाधिकारी ने जिले में लगभग 01 वर्ष 10 महीने की अविस्मर्णीय सेवा करते हुए स्थानान्तरित होकर विशेष सचिव उच्च शिक्षा विभाग के पद पर जा रहे हैं। सोनभद्र के अधिकारी व कर्मचारी जिलाधिकारी से कार्य करने की शैली व जटील समस्याओं का समाधान सहजता से निराकरण कैसे किया जाये, काफी कुछ चीजें सरकारी सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए सीखा है और जिले के सभी अधिकारी व कर्मचारी जिलाधिकारी के उज्जवल भविष्य के साथ ही अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा जनपद में किये गये सराहनीय कार्यो से सम्बन्धित डाक्यूमेन्ट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 पंकज कुमार राय, उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर, जिला कृषि अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल, सहायक निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने जिलाधिकारी को माल्यार्पण कर स्मृतिचिन्ह भेंट किये और विदाई समारोह में जिले के सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने जिलाधिकारी के कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सुरेश पाठक जे0 बाबू द्वारा किया गया।

जनपद में धारा-163(2) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिला मजिस्ट्रेट, वागीश कुमार शुक्ल ने अवगत कराया है कि जनपद में आगामी पर्व–त्योहारों, परीक्षाओं तथा कानून–व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत धारा–163(2) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश 22 अप्रैल 2026 से 21 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने निर्देशित किया है कि बिना प्रशासनिक अनुमति के किसी भी प्रकार के जुलूस, धरना–प्रदर्शन एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा अस्त्र–शस्त्र, विस्फोटक सामग्री, ज्वलनशील पदार्थ आदि लेकर सार्वजनिक स्थलों पर जाना निषिद्ध होगा, साथ ही धार्मिक, जातीय अथवा सामाजिक भावनाओं को भड़काने वाले नारे, पोस्टर, पंपलेट आदि के प्रचार–प्रसार पर भी रोक लगाई गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भ्रामक एवं अफवाह फैलाने वाली सूचनाओं के प्रसार पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। समूह संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने ग्रुप में ऐसी किसी भी सामग्री को तत्काल हटाएं और इसकी सूचना प्रशासन को दें। परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में बाहरी व्यक्तियों की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक सामग्री या अनुचित साधन परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी, इसके अतिरिक्त रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक लाउडस्पीकर/साउंड सिस्टम के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। ड्रोन कैमरा उड़ाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाना, यातायात बाधित करना तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाना दंडनीय अपराध माना जाएगा। आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने जनसामान्य से अपील की है कि वे शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें तथा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

घोरावल में आए दिन विद्युत फाल्ट से उपभोक्ता परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल तहसील मुख्यालय पर विद्युत फॉल्ट एक गंभीर समस्या बन चुकी है कई बार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। पिछले तीन दिनों में देखा जाए तो घोरावल के लोग प्रचंड गर्मी में लाइन के लिए परेशान दिखे हैं। पानी के लिए तरस रहे हैं। यह समस्या एक दिन की नहीं है बल्कि आये दिन इस समस्या से लोग परेशान हो रहे हैं ।जब भी स्थानीय नागरिकों द्वारा इस बाबत अधिकारियों से बात की जाती है तो बताया जाता है कि 33 फॉल्ट है। बताया गया कि घोरावल तहसील मुख्यालय को आपका 132 केवी से विद्युत आपूर्ति की जाती है जो लगभग 40 किलोमीटर दूर है। तेज हवा चलने अथवा पेड़ की कोई डाली गिरने से विद्युत फाल्ट हो जाता है, और विद्युत फाल्ट खोजने में लोगों को कभी दिन भर तो कभी सारी रात विद्युत कटौती का दंश लोगों को झेलना पड़ रहा है । बुधवार की सुबह 6रू00 से जो घोरावल नगर की विद्युत आपूर्ति ठप हुई वह शाम 4रू00 बजे तक नहीं आ सकी थी अधिकारियों द्वारा केवल विद्युत लाइन फाल्ट खोजने की बात बताई जा रही है। बताया कि घोरावल से मात्र 10 किलोमीटर दूर गुरुदेव नगर 132 केवी सब स्टेशन स्थित है इसके बाद भी घोरावल के लोगों को 40 किलोमीटर दूर से विद्युत आपूर्ति के नाम पर छलावा दिखाया जा रहा है ।घोरावल उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष दयाशंकर गुप्ता ,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार ने उपरोक्त समस्या की तरफ जिलाधिकारी एवं अधिशासी अभियंता का ध्यान आकृष्ट किया है।

रम्पाकुरर गांव में ट्रांसफार्मर जला, ग्रामीणों का प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी क्षेत्र के छत्तीसगढ़ सीमा से सटे लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। भीषण गर्मी में बिजली करने वाले ग्रामीणों में रामकरन, रामनरायण, फिरोज

रम्पाकुरर गांव में डेढ़ माह से जला ट्रांसफार्मर न बदले जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। बिजली आपूर्ति ठप होने से परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया और जल्द ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की। रम्पाकुरर गांव बाजार में लगा 25 केवी का ट्रांसफार्मर करीब डेढ़ माह पहले जल गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि इसकी शिकायत विभागीय टोल फ्री नंबर पर कई बार की गई, न होने से ग्रामीणों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ रही है, साथ ही पेयजल सुविधा और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी ठप पड़े हैं।ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने बिजली विभाग के टोल–फ्री नंबरों पर तीन बार शिकायत दर्ज कराई है। समस्या का समाधान न होने पर बुधवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर के पास पहुंचकर नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया।प्रदर्शन अहमद, राम किशुन, विकास, अजय कुमार, राम आधार, रामा, लालचन्द्र, राम–लखन और राजेश कुमार शामिल थे। उन्होंने जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करते हुए जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की। इस संबंध में बिजली विभाग के एसडीओ शिवम गुप्ता से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि ट्रांसफार्मर जल्द ही बदल दिया जाएगा

23.70 ग्राम हेरोइन के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार’

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा

रहे अभियान के क्रम में थाना घोरावल पुलिस द्वारा 21.04.2026 को सघन चेकिंग के दौरान एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई। 21.04.2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना घोरावल पुलिस टीम द्वारा मुंगेहरी नहर पुलिया से लगभग 01 कि.मी. आगे तिलौली जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर बिना नंबर प्लेट की एक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार 02 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 23.70 ग्राम अवैध हेरोइन,नकद घ्1300/– तथा 02 अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए।पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वे हेरोइन को खरीदकर छोटी–छोटी पुड़िया बनाकर विभिन्न स्थानों पर बिक्री करते थे। इस संबंध में थाना घोरावल पर मु0अ0सं0 84/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट व धारा 207 एमवी एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेजा गया तथा बरामद मोटरसाइकिल को कागजात न होने के कारण सीज किया गया है।

आई वी डी म्योरपुर सेंटर पर पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण की दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर कस्बा में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आई वी डी

सेंटर में पर्यावरण संरक्षण एवं जैव संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेंटर के समस्त कार्यकर्ताओं एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों को सामूहिक रूप से पर्यावरण के महत्व और उसके संरक्षण के प्रति जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में दिल्ली से प्रसारित पृथ्वी दिवस विचार गोष्ठी से जुड़कर प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझा। उपस्थित वक्ताओं ने अपने आसपास के परिवेश को सुरक्षित रखने, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने पर जोर दिया। अवसर पर आई वी डी समन्वयक श्यामसुंदर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। वहीं प्रशिक्षकों ने बच्चों को छोटे–छोटे प्रयासों जैसे पेड़ लगाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया ।सभी ने मिल कर पर्यावरण सरक्षण का संकल्प लिया कार्यक्रम में कंप्यूटर प्रशिक्षक उमेश कुमार, सिलाई प्रशिक्षिका मीनाक्षी यादव, ब्यूटीशियन ट्रेनर आकांक्षा कुमारी, इंटर्न अर्पिता गुप्ता, किसान मित्र अमरेश कुमार, विजय कुमार सहित सेंटर के सभी प्रशिक्षु बच्चे मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

एकता कपूर ने दिया ब्रोकन बट ब्यूटीफुल के नए सीजन का हिट, फैंस में बढ़ी एक्साइटमेंट

एकता कपूर ने एक बार फिर फैंस के बीच हलचल मचा दी है, और इस बार उन्होंने अपनी मशहूर फ्रैंचाइज़ी श्ब्रोकन बट ब्यूटीफुलश के भविष्य को लेकर एक छोटा लेकिन दिलचस्प इशारा दिया है। अपनी बेहतरीन कहानियों और दर्शकों की नब्ज पहचानने की काबिलियत के लिए मशहूर एकता कपूर ने हमेशा ऐसा कंटेंट दिया है जो लोगों के दिलों को गहराई से छू जाता है।

पिछले कुछ सालों में एकता कपूर ने लगातार नए टैलेंट को मौका दिया है और पर्दे पर मॉडर्न रोमांस को एक नई पहचान दी है। उनके इस अंदाज़ ने न केवल कई एक्टर्स का करियर बनाया है, बल्कि डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए ट्रेंड्स भी सेट किए हैं।

ध्सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए कंटेंट क्वीन ने सबका ध्यान खींचा, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ष्क्या हमें एक और सीजन बनाना चाहिए? और इस बार कपल कौन होना चाहिए? दोस्तों, कुछ सुझाव दें?ष उनके इस सवाल ने इंटरनेट पर अटकलों और फैंस की विश–लिस्ट का दौर शुरू कर दिया है।

श्ब्रोकन बट ब्यूटीफुलश अपनी इमोशनल कहानियों और जबरदस्त एक्टिंग की वजह से पहले ही फैंस की फेवरेट बन चुकी है, इसलिए नए सीजन की खबर ने नैचुरल तौर पर लोगों के बीच काफी एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। कास्टिंग के सुझावों के लिए सीधे दर्शकों से पूछने का एकता कपूर का यह अंदाज़ दिखाता है कि वो आज के डिजिटल दौर में ऑडियंस की पसंद को कितनी बखूबी समझती हैं।

उनकी हालिया कामयाबी की बात करें तो उनकी फिल्म श्भूत बंगलाश साल की शुरुआती हिट फिल्मों में से एक रही है, जिसने एक पावरहाउस प्रोड्यूसर के तौर पर उनकी पकड़ को और मजबूत कर दिया है। चाहे रोमांस हो, ड्रामा हो या फिर कुछ अलग तरह की कहानी, एकता का काम हमेशा लोगों के दिल को छू जाता है।

अब जबकि फैंस ऑफिशियल अनाउंसमेंट का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, एक बात तो पक्की है कि अगर एकता वाकई अगले सीजन की प्लानिंग कर रही हैं, तो इसमें फिर से नए चेहरे, कमाल की केमिस्ट्री और एक ऐसी कहानी देखने को मिलेगी जो एक बार फिर सबका दिल जीत लेगी।

कार्तिक आर्यन हैं परआर किंग? विजय वर्मा के बयान से मचा बवाल

बॉलीवुड एक्टर विजय वर्मा इन दिनों अपनी वेब सीरीज श्मटका किंगश की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। इस सीरीज के प्रमोशन के दौरान विजय वर्मा खुलकर बात कर रहे हैं। हाल ही में

एक इंटरव्यू के दौरान विजय वर्मा ने कुछ ऐसा कह दिया, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल पैदा कर दी है।

विजय ने सीधे तौर पर कार्तिक आर्यन को बॉलीवुड का श्पीआर किंगश करार दिया है। ॅम।तमल्नअं के साथ एक इंटरैक्शन के दौरान रैपिड–फायर राउंड के दौरान विजय वर्मा से अलग–अलग गुणों के आधार पर एक्टर्से के नाम पूछे गए। जब उनसे पूछा गया कि इंडस्ट्री में श्पीआर का किंगश वो किसे मानते हैं?

इस पर विजय वर्मा बिना झिझके कार्तिक आर्यन का नाम लिया। विजय का इशारा इस ओर था कि कार्तिक अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी श्पब्लिक इमेजश और श्हाइपश बनाने के लिए पीआर एजेंसियों का सहारा लेते हैं। इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। एक यूजर ने लिखा, श्विजय ने वही कहा जो हर कोई जानता है। कार्तिक की एक्टिंग से ज्यादा उनका पीआर बोलता है।श वहीं एक अन्य ने लिखा, श्कार्तिक एक आउटसाइडर हैं और इस कॉम्पिटिटिव इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए मजबूत मार्केटिंग जरूरी है।श

कार्तिक आर्यन ने श्भूल भुलैया 2श और श्भूल भुलैया 3श के जरिए बॉक्स ऑफिस पर अपनी धाक जमाई है। अक्षय कुमार जैसे दिग्गज को रिप्लेस करना आसान नहीं था, लेकिन कार्तिक ने इसे बखूबी निभाया। हालांकि, उनकी हर छोटी–बड़ी गतिविधिकृचाहे वह एयरपोर्ट लुक हो या किसी फीमेल को–स्टार के साथ लिंक–अप की खबरेंकृअक्सर पीआर स्टंट के रूप में देखी जाती हैं।

पति पत्नी और वो दो का पहला गाना रूप दी रानी रिलीज, डांस नंबर ने मचाया धमाल

टी–सीरीज़ और बी आर स्टूडियोज़ की फिल्म श्पति पत्नी और वो दोश का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने इस फिल्म का टीजर रिलीज धकिया, जिसमें कॉमेडी के साथ कन्फ्यूजन और ड्रामा देखने को मिला। वहीं अब मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना श्रूप दी रानीश रिलीज कर दिया है।

यह एक देसी, मस्ती भरा और तेज़ बीट वाला गाना है, जिसमें आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आ रहे हैं। यह एक जोशीला डांस नंबर है, जो फिल्म के मज़ेदार माहौल को दिखाता है।

रूप दी रानीश को गुरु रंधावा और हीर ने गाया है, इसके बोल इंदीवर ने लिखे हैं, संगीत तनिष्क बागची ने दिया है और इस गाने का डांस बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने कोरियोग्राफ किया है। गाने में एक कैची धुन और मजेदार डांस स्टेप है, जो शादी जैसे सीन का इशारा देता है। इसके रंगीन और एनर्जेटिक विज़ुअल्स फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ाते हैं।

गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी–सीरीज़ प्रस्तुत, टी–सीरीज़ फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी 'पति पत्नी और वो दो' का निर्देशन मुदस्सर अज़ीज़ ने किया है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर जूनो चोपड़ा हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लाल परी बन पलक तिवारी ने ढाया कहर, फेदर मिनी ड्रेस में दिखाई बोल्ड अदाएं

बॉलीवुड की उभरती हुई एक्ट्रेस पलक तिवारी अपनी बोल्डनेस और स्टाइल को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। 25

साल की पलक का इंस्टा अकाउंड अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों से भरा हुआ है।

इस बार पलक ने रेड कलर की फेदर मिनी ड्रेस में अपनी कातिलाना तस्वीरें शेयर की है, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं।

तस्वीरों में पलक तिवारी शॉर्ट ट्यूब–स्टाइल रेड फेदर ड्रेस पहने दिख रही हैं। इस ड्रेस का टेक्सचर काफी यूनिक है, जिसमें लगे फेदर्स उन्हें एक ड्रीमी और लग्जरियस लुक दे रहे हैं।

यह आउटफिट पलक के टोन्ड लेग्स और फिट बॉडी को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट कर रहा है। साथ में उन्होंने डार्क मैरून रंग का एक सैटिन ओवरले कैरी किया है, जो उनके लुक में रॉयल टच जोड़ रहा है।

पलक ने मोनोक्रोमैटिक पिंक–रेड टोन मेकअप, स्मोकी आईज और खुले मेसी बालों के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। हवा में लहराते उनके बाल एक वाइल्ड और सिडक्टिव एलिमेंट जोड़ रहे हैं।

पलक कभी पारदर्शी सफेद पर्दे के पीछे से अपनी झलक दिखा रही हैं, तो कभी जमीन पर बैठकर अपने सेक्सी अंदाज से इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। उनकी हर अदा में एक ग्रेस और बोल्डनेस का मिश्रण नजर आ रहा है।

फैंस पलक की इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। उनके इस लुक को श्फायरश और श्हॉटश जैसे कमेंट्स मिल रहे हैं। पलक की इन तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं।

रणवीर सिंह ने खत्म किया डॉन 3 विवाद, फरहान अख्तर को लौटाए 10 करोड़ रुपए, किया यह वादा!

बॉलीवुड में पिछले कुछ महीनों से चल रहा सबसे बड़ा विवाद अब अपने अंत की ओर है। सुपरस्टार रणवीर सिंह और फिल्म मेकर फरहान अख्तर के बीच श्डॉन 3श को लेकर मची रार अब एक बड़े आर्थिक समझौते पर आकर रुकी है। खबरों के अनुसार रणवीर सिंह ने फरहान संग विवाद को खत्म करने लिए एक अहम कदम उठाया है।

रणवीर और फरहान के बीच विवाद तब शुरू हुआ, जब उन्होंने अचानक फरहान की महात्वाकांक्षी फिल्म श्डॉन 3श से हाथ पीछे खींच लिए। एक्सेल एंटरटेनमेंट का दावा था कि फिल्म की प्री–प्रोडक्शन पर लगभग 40 करोड़ रुपए खर्च हो चुके थे और रणवीर हर स्तर पर स्क्रिप्ट से सहमत थे।

रणवीर के इस अचानक फैसले से नाराज होकर फरहान और उनके बिजनेस पार्टनर रितेश सिधवानी ने मामला श्प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडियाश तक पहुंचा दिया था। रणवीर का तर्क था कि स्क्रिप्ट में स्पष्टता की कमी थी, जबकि मेकर्स का आरोप था कि रणवीर ने अपनी फिल्म श्धुरंधरश की सफलता के बाद रुख बदल लिया।

फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार रणवीर सिंह ने अब इस विवाद को कानूनी पेचीदगियों से बचाने के लिए एक दोस्ताना समाधान पेश किया है। रणवीर अपनी 10 करोड़ रुपए की पूरी साइनिंग अमाउंट एक्सेल एंटरटेनमेंट को वापस लौटा रहे हैं। इतना ही नहीं प्री–प्रोडक्शन के नुकसान की भरपाई के लिए रणवीर ने अपनी आगामी फिल्म श्प्रलयश में एक्सेल एंटरटेनमेंट को एक निश्चित प्रतिशत की हिस्सेदारी ऑफर की है।

श्प्रलयश एक बड़े बजट की पोस्ट–अपोकैलिप्टिक ज़ोंबी थ्रिलर है, जिसे जय मेहता निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है, ऐसे में इसमें हिस्सेदारी मिलना एक्सेल एंटरटेनमेंट के लिए घाटे का सौदा नहीं होगा।

रणवीर सिंह आज जिस मुकाम पर हैं, वहां वे किसी भी विवाद को लंबा नहीं खींचना चाहते। उनकी हालिया रिलीज श्धुरंधर 2श ने बॉक्स ऑफिस पर 1,700 करोड़ रुपए से अधिक का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर इतिहास रच दिया है। इस सफलता ने उन्हें ग्लोबल आइकन बना दिया है, यही वजह है कि उन्होंने पुरानी कड़वाहट भुलाकर फरहान अख्तर की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है।

रणवीर सिंह के बाहर होने के बाद श्डॉन 3श के भविष्य पर काले बादल मंडरा रहे हैं। खबरें आ रही थी कि फरहान अख्तर खुद श्डॉनश के रूप में पर्दे पर वापसी कर सकते हैं या फिर किसी नए चेहरे की तलाश शुरू होगी। फिलहाल, एक्सेल एंटरटेनमेंट ने इस समझौते पर कोई आधिकारिक मुहर नहीं लगाई है।